चैत्र नवरात्रि की हार्दिक बधाई

जनता यूनियन

झांसी गुरुवार, 3 अप्रैल 2025 | वर्ष 17 अंक 205 | पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

चैत्र नवरात्रि · नमस्तस्यै नमो नमः

छठवाँ दिन माँ कात्यायनी

इस मंत्र के उच्चारण के साथ माँ कात्यायनी की आराधना की जाती है-

चंद्र हासोज्ज वलकरा शार्दू लवर वाहना।
कात्यायनी शुभं दद्या देवी दानव घातिनि।।

कात्यायनी देवी दुर्गा जी का छठा अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार देवी ने कात्यायन ऋषि के घर उनकी पुत्री के रूप में जन्म लिया, इस कारण इनका नाम कात्यायनी पड़ गया। दिव्य रुपा कात्यायनी देवी का शरीर सोने के समान चमकीला है। चार भुजाधारी माँ कात्यायनी सिंह पर सवार हैं। अपने एक हाथ में तलवार और दूसरे में अपना प्रिय पुष्प कमल लिये हुए हैं। अन्य दो हाथ वरमुद्रा और अभयमुद्रा में हैं। इनका वाहन सिंह हैं।

वक्फ संशोधन विधेयक लोकसभा में पेश, चर्चा के लिए एनडीए को 4 घंटे 40 मिनट

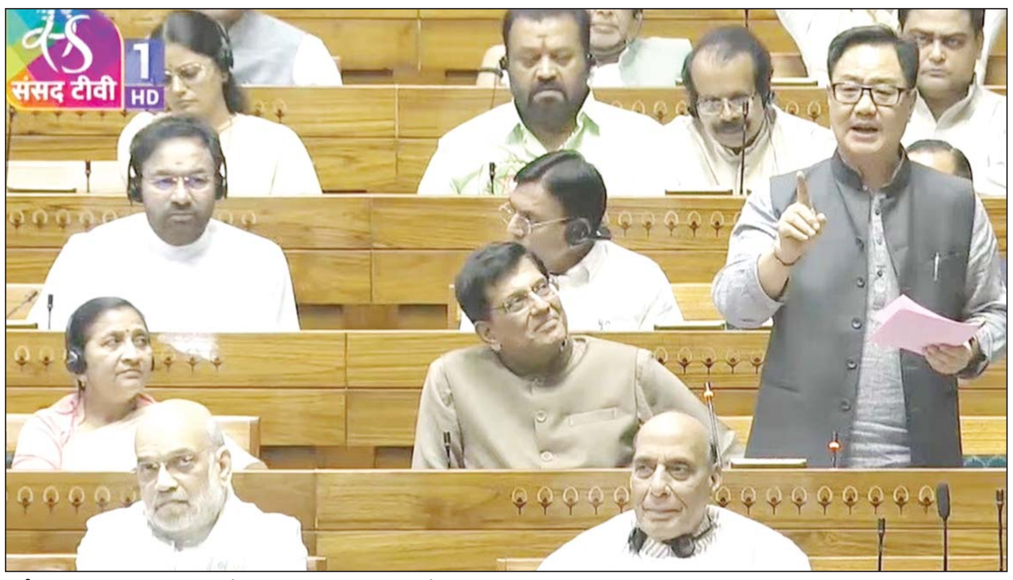

नई दिल्ली (जीएनएस)। लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पेश कर दिया गया। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रश्नकाल के बाद इसे सदन में चर्चा के लिए रखा। स्पीकर ओम बिरला ने बिल पर 8 घंटे की चर्चा के लिए समय निर्धारित किया है, जिसमें एनडीए को 4 घंटे 40 मिनट और विपक्ष को शेष समय दिया गया है।

लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक का टीडीपी और जेडीयू ने समर्थन करने की बात कही है, जबकि विपक्ष लगातार विरोध जता रहा है। चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी और नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड ने बिल को समर्थन देने की घोषणा की है। इन दोनों दलों ने अपने सांसदों को सदन में उपस्थिति के लिए व्हिप भी जारी किया है।

दूसरी ओर, विपक्ष इस बिल के खिलाफ एकजुट नजर आ रहा है। तमिलनाडु की एआईएडीएमके, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल (बीजेडी) और के. चंद्रशेखर राव की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) जैसी तटस्थ मानी जाने वाली पार्टियां भी विपक्ष के साथ खड़ी हैं।

विपक्ष ने लोकसभा में चर्चा का समय 12 घंटे करने की मांग उठाई है। इस पर किरेन रिजिजू ने कहा कि चर्चा का समय बढ़ाया जा सकता है, ताकि देश को पता चले कि कौन सी पार्टी किस पक्ष में है।

बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल के बीच तीखी नोकझोंक हुई। वेणुगोपाल ने कहा, कि हमें बिल पर चर्चा के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। इस पर अमित शाह ने जवाब दिया, कि आपने जेपीसी (संयुक्त संसदीय समिति) की मांग की थी, हमने सभी सुझावों को स्वीकार किया है।

तीसरे विश्व युद्ध की आहट: नागरिकों की सुरक्षा के लिए स्वीडन ने बनाए परमाणु निरोधक बंकर

स्टॉकहोम (जीएनएस)। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के बीच स्वीडन को लगने लगा है कि तीसरा विश्व युद्ध होगा। इसी आशंका के बीच स्वीडन ने आपनी तैयारी शुरु कर दी है। नागरिकों को सुरक्षित करने के लिए 64 हजार से अधिक सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल बनाए हैं। इससे नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों के नुकसान से बचाया जा सकता है। स्वीडन की नागरिक सुरक्षा एजेंसी (एमएसबी) ने घोषणा की है कि वह अपनी नागरिक सुरक्षा बंकरों के नवीनीकरण के लिए 100 मिलियन क्रोनर का निवेश करेगी। इस कदम का उद्देश्य नागरिकों को शारीरिक, रासायनिक, जैविक, और परमाणु हमलों से बचाना है। स्वीडन में पहले से ही लगभग 64,000 सुरक्षा बंकर और आश्रय स्थल हैं, जो दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक हैं। ये बंकर लगभग सात मिलियन नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम हैं, जो स्वीडन की कुल जनसंख्या का दो-तिहाई हिस्सा है।

कुकी संगठनों ने दिल्ली में पांच अप्रैल को होने वाली वार्ता से पहले तीन पूर्व शर्तें रखीं

नयी दिल्ली (जीएनएस)। गृह मंत्रालय द्वारा नयी दिल्ली में कुकी जो और मेइती समूहों के बीच पांच अप्रैल को होने वाली वार्ता से पहले मणिपुर के कांगपोकपी जिला स्थित कुकी नेतृत्व ने तीन पूर्व शर्तें रखी हैं। इन शर्तों में मेइती समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में कुकी समुदाय के लोगों और कुकी समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में मेहती समुदाय के लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित करना शामिल है। कुकी ज़ो काउंसिल (केजेडसी) के अध्यक्ष हेनलियानथांग थांगलेट ने कहा कि मंगलवार को कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) द्वारा कांगपोकपी में आयोजित परामर्श बैठक के दौरान तीन शर्तें तय की गईं। थांगलेट ने कहा कि तीन पूर्व-शर्तें हैं ''कुकी-जो समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में मेइती समुदाय के लोगों और मेइती समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्रों में कुकी-जो समुदाय के लोगों की आवाजाही को प्रतिबंधित किया जाए, बातचीत की सुविधा के लिए कम से कम छह महीने की अवधि के लिए एक दूसरे के प्रति शत्रुता बंद की जाए और संघर्षविराम अवधि के दौरान एक सार्थक औपचारिक वार्ता प्रक्रिया शुरू की जाए।''

कुकी जो काउंसिल के एक पदाधिकारी ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पांच अप्रैल को नयी दिल्ली में कुकी जो और मेइती समूहों के बीच एक बैठक बुलाई है। मई 2023 से इंफाल घाटी स्थित बहुसंख्यक मेइती और आसपास के पर्वतीय क्षेत्रों में रहने वाले कुकी-जो जनजातियों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हुए हैं।

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

बीजिंग (जीएनएस)। चीनी सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉ ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है। हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं।'' ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, ''मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं।'' कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है। वहीं चीन की समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने अपनी एक खबर में कहा कि ईस्टर्न थिएटर कमान ने ''ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व में जलक्षेत्र में व्यापक अभ्यास'' किया। कमान ने कहा कि सैन्य अभ्यास का उद्देश्य ''एकीकृत अभियान, परिचालन नियंत्रण हासिल करने और बहु-दिशात्मक सटीक हमले करने की सैनिकों की क्षमताओं का परीक्षण करना था।

भारतीय नौसेना का बड़ा एक्शन, आईएनएस तरकश ने 2500 किलोग्राम मादक पदार्थ किए जब्त

(जीएनएस)। भारतीय नौसेना के पश्चिमी नौसेना कमान के अंतर्गत संचालित होने वाले फ्रिगेट आईएनएस तरकश ने हिंद महासागर में 2,500 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थों को रोका और जब्त किया। यह अभियान क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा प्रयासों के तहत चलाया गया। 31 मार्च को गश्त के दौरान आईएनएस तरकश को भारतीय नौसेना के पी8आई विमान से संदिग्ध जहाजों के बारे में खुफिया जानकारी मिली, जिनके बारे में माना जाता है कि वे मादक पदार्थों की तस्करी सहित अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं। इसके बाद नौसेना ने फ्रिगेट का मार्ग बदल दिया और एक नाव को रोकने से पहले आस-पास के कई जहाजों की जांच की।

मरीन कमांडो सहित नौसेना की एक टीम ने जहाज की तलाशी ली और उसमें मादक पदार्थों से भरे सीलबंद पैकेट पाए। विस्तृत जांच में लगभग 2,500 किलोग्राम मादक पदार्थ पाए गए, जिसमें 2,386 किलोग्राम हशीश और 121 किलोग्राम हेरोइन शामिल थी। क्षेत्र में अन्य तस्करी अभियानों से संभावित संबंधों के बारे में ढो के चालक दल से पूछताछ की गई। यह जब्ती अंतरराष्ट्रीय जल में अवैध गतिविधियों से निपटने के उद्देश्य से चल रहे समुद्री सुरक्षा अभियानों का हिस्सा है।

सार संक्षेप

बिहार में हीटवेव का तांडव, तापमान पहुंचेगा 50 डिग्री तक

पटना (जीएनएस)। अप्रैल का महीना लग गया है और बिहार तपने लगा है। गर्मी ने अभी से मई जैसे हालत बना दिए हैं। राज्य के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया है। तीन दिन तक राज्य का पश्चिमी इलाका हीटवेव की चपेट में आने वाला है।इधर, बढती तपिश को देखते हुए लोगों ने अपने एसी और कूलरों को निकालना शुरू कर दिया है।

गौवंशों को लाद रहे गौतस्करों से भिड़े गाँव के युवक

गोण्डा (जीएनएस)। जिले के नवाबगंज थानाक्षेत्र क्षेत्र के महंगूपुर गाँव में गो तस्करी का मामला प्रकाश में आया। जहाँ रात में तीन गोवंशों को गो तस्कर पिकप पर लाद रहे थे जिन्हें छुड़ाने का प्रयास कर रहे युवाओं पर पिकप पर सवार लोगों ने ईट और पत्थर से हमला भी किया। गनीमत रही कोई चोटहिल नहीं हुआ। इस संबंध में बजरंगदल खण्ड संयोजक महंगूपुर गाँव के शांत प्रकाश उर्फ़ लाल दूबे ने थाने पर तहरीर देते हुए बताया कि मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे गाँव के दक्षिण टोला में दुर्गा मंदिर के पास गोवंशो को गलत तरीके से बांधा जा रहा था। अपने साथियों संग जब वह उन्हें खोलने को गए तो उसी टोले के अभिमन्यु सिंह व विन्देश सिंह आजाद ने आकर विरोध कर रोक दिया। कहा ये गौशाला भेजे जायेंगे और धमकाते हुए भगा दिया।

धांधली को छिपाने सी.एम.एच.ओ. ने निजी बिल्डिंग में खोला विभाग का स्टोर के संबंध में वस्तु स्थिति

उमरिया (जीएनएस)। विगत दिवस में अखबारों मे स्वास्थ्य विभाग के विरूद्ध धांधली को छिपाने सी.एम.एच.ओ. ने निजी बिल्डिंग में खोला विभाग का स्टोर जैसे विविध प्रकाशन निजी अखबारो मे किया जा रहा है। जिसकी वस्तु स्थिति के संबंध मे बताते हुए सीएमएचओ डा एस बी चौधरी ने बताया कि अस्पताल प्रशासन, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सतपुड़ा भवन भोपाल मध्यप्रदेष के पत्रानुसार उन्नयन, नव-निर्मित स्वास्थ्य संस्थाओ हेतु राज्य शासन द्वारा निर्धारित केटेगरी-सी अंतर्गत सम्मिलित उपकरण, फर्नीचर एवं सामग्री क्रय किये जाने हेतु निर्देशित किया गया था।

हैरान कर देने वाली घटना: मां-बेटा और बेटी के शव, पति के इरादे पर सवाल

गिरीडीह (जीएनएस)। झारखंड के ही गिरीडीह जिले के लोकाय थाना क्षेत्र के बरदौनी गांव उस वक्त हड़कंप मच गया। जब एक ही परिवार के 3 सदस्यों की एक साथ लाश बरामद हुई. मां और बेटे की लाश पेड़ पर फंदे से झूलता हुई मिली, जबकि बेटी का शव पास में ही तालाब से बरामद किया गया है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों की लाश मिलते ही गांव में कोहराम मच गया । मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर लोकाय थाना की पुलिस ने शक के आधार पर मृतक महिला के पति को हिरासत में लेते हुए ट्रिपल मर्डर मामले को लेकर अनुसंधान में जुट गई है।

ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक, सोमवार की देर रात किसी घरेलू कलह को लेकर दोनों पति-पत्नी में जोरदार विवाद और झगड़ा हुआ था। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसी विवाद के बाद पति चारो हेम्ब्रम ने ट्रिपल मर्डर की दर्दनाक घटना को अंजाम दिया है। इसी आशंका में पुलिस ने चारो हेम्ब्रम को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

महाराष्ट्र सदन घोटाले में छगन भुजबल को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती, हाईकोर्ट ने 28 अप्रैल तक स्थगित की सुनवाई

मुँबई (जीएनएस)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने महाराष्ट्र सदन घोटाले में एनसीपी मंत्री छगन भुजबल और अन्य को बरी किए जाने को चुनौती देने वाली कार्यकर्ता अंजलि दमानिया की याचिका पर सुनवाई 28 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी। यह फैसला तब आया जब अदालत इस बात पर विचार कर रही थी कि बरी किए जाने को चुनौती देने का कानूनी अधिकार किसके पास है। दमानिया की याचिका न्यायमूर्ति शिवकुमार डिगे की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध की गई, जहां मामले में आरोपी महाराष्ट्र के पूर्व प्रधान सचिव का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता गिरीश कुलकर्णी ने इस बात पर चिंता जताई कि क्या दमानिया, जो न तो शिकायतकर्ता हैं और न ही गवाह, को बरी किए जाने को चुनौती देने का अधिकार है। कुलकर्णी ने तर्क दिया कि ऐसे मामलों में केवल राज्य को ही उच्च न्यायालय जाने का अधिकार है।

उन्होंने आगे बताया कि बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने पहले इस मामले को न्यायमूर्ति एसएम मोदक की पीठ को सौंपा था, जिसका उद्देश्य पहले यह निर्धारित करना था कि दमानिया को आदेश को चुनौती देने का कानूनी अधिकार है या नहीं। हालाँकि, चूँकि न्यायमूर्ति मोदक वर्तमान में न्यायमूर्ति सारंग कोतवाल के साथ खंडपीठ में बैठे हैं। इसलिए उनकी एकल पीठ उपलब्ध नहीं थी, जिसके कारण स्थगन हुआ। दमानिया का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता रिजवान मर्चेंट ने अदालत से आग्रह किया कि वह उच्च न्यायालय रजिस्ट्री को यह स्पष्ट करने का निर्देश दे कि कौन सी पीठ याचिका पर सुनवाई करेगी।

हालांकि, न्यायमूर्ति डिगे ने यह देखते हुए निर्णय टाल दिया कि बुधवार की सुनवाई में लोक अभियोजक अनुपस्थित थे और मामले की सुनवाई 28 अप्रैल को फिर से होगी। दमानिया के अलावा शिवसेना विधायक सुहास कांडे ने भी मामले के सिलसिले में अदालत का दरवाजा खटखटाया है।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की बिगड़ी तबीयत, इलाज के लिए ले जाया जाएगा दिल्ली

पटना (जीएनएस)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव की तबीयत ब्लड शुगर बढ़ने के कारण बिगड़ गई है। जानकारी के अनुसार, यह समस्या उनके नियमित रूटीन चेक-अप के दौरान पता चली, जहां मेडिकल रिपोर्ट में ब्लड शुगर के स्तर में चिंताजनक वृद्धि देखी गई। सूत्रों के अनुसार, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को आगे की जांच और उपचार के लिए जल्द ही दिल्ली एम्स जाने की उम्मीद है। यादव पिछले दो दिनों से अस्वस्थ थे, लेकिन बुधवार सुबह उनकी हालत और गंभीर हो गई। उनका स्वास्थ्य उनके परिवार और समर्थकों के लिए चिंता का विषय रहा है, खासकर उनके लंबे मेडिकल इतिहास को देखते हुए। पिछले साल सितंबर में यादव ने मुंबई में एंजियोप्लास्टी करवाई थी, जो हृदय संबंधी समस्याओं को दूर करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इससे पहले, 2022 में सिंगापुर में उनका किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था, जहां उनकी छोटी बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें किडनी दान की थी।

जानें कैसे गिरती है धरती पर बिजली

पूरे भारत में बिजली गिरने की भविष्यवाणी की जा सकेगी

श्रीहरीकोटा (जीएनएस)। इसरो ने मंगलवार को कहा कि उसने भारतीय भूस्थिर उपग्रहों के डेटा का उपयोग करके भारत में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं की तुरंत जानकारी (मौसम का पूर्वानुमान) देने में सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) द्वारा हासिल की गई है। इसरो के अनुसार, वायुमंडलीय बिजली क्षोभमंडल में संवहनीय प्रक्रियाओं के प्रभाव में मौसम संबंधी मापदंडों की जटिल अंतःक्रियाओं के कारण होती है। इन संवहनीय घटनाओं के प्रमुख चालकों में सतही विकिरण, तापमान और हवा शामिल हैं।

अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा, ''एनआरएससी/इसरो के अनुसंधानकर्ताओं ने इनसैट-3डी उपग्रह से प्राप्त 'आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन' (ओएलआर) डेटा में बिजली के संकेत देखे।

बिजली का पता लगाने में और सुधार करने के लिए, टीम ने भूमि सतह तापमान (एलएसटी) और हवा सहित अतिरिक्त मापदंडों को एक समग्र चर में शामिल किया, जिसका उद्देश्य पूर्वानुमान सटीकता को बढ़ावा देना था।

इसरो ने कहा कि यह समग्र चर बिजली की गतिविधि में उतार-चढ़ाव को सटीक रूप से दर्शाता है, जैसा कि जमीन आधारित स्रोतों द्वारा मापा जाता है। यह इस बात का भरोसेमंद संकेत देता है कि बिजली की गतिविधि कब बढ़ने या घटने की संभावना है, अंततः बिजली की घटना और तीव्रता दोनों की भविष्यवाणी को बढ़ाता है। इस नए समग्र चर के साथ, अब लगभग 2.5 घंटे के लीड टाइम के साथ भविष्यवाणियां की जा सकती हैं।

बिजली कैसे गिरती है?

क्या आपको स्थैतिक बिजली का झटका लगा है? या जब आप अपना जम्पर उतारते हैं तो चिंगारी निकलती है? जब बिजली गिरती है तो यही होता है, लेकिन बहुत बड़े पैमाने पर। नीचे, हमने क्रमिक रूप से बताया है कि बिजली कैसे या क्यों गिरती है।

-बिजली को रगड़ने के कारण उत्पन्न होने वाले आवेशों के संदर्भ में समझाया जा सकता है। आंधी के दौरान, हवा की धाराएँ ऊपर की ओर चलती हैं और पानी की बूँदें नीचे की ओर चलती हैं। और यह इस जोरदार गति के कारण आवेश के अलग होने के कारण होता है।

-इस प्रक्रिया के परिणामस्वरूप, सकारात्मक आवेश ऊपरी किनारे के पास इकट्ठा होते हैं और नकारात्मक आवेश बादल के निचले किनारे के पास और ज़मीन के पास भी जमा होते हैं।

-जैसे-जैसे आवेश जमा होता जाता है, उसका परिमाण बहुत बड़ा होता जाता है।

म्यांमार में फिर आया 4.3 तीव्रता का भूकंप

म्यांमार (जीएनएस)। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, म्यांमार में 7.7 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद के झटके आना जारी है, बुधवार को 4.3 तीव्रता का सबसे ताज़ा भूकंप आया। भूकंप का केंद्र अक्षांश: 20.70 उत्तर, देशांतर: 96.06 पूर्व और 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित है। म्यांमर में भूकंप के बाद राहत एवं बचाव कार्य में जुटे बचाव दल ने बुधवार सुबह राजधानी नेपीता के उस होटल के मलबे से 26 वर्षीय एक व्यक्ति को जीवित बाहर निकाला, जहां वह काम करता था। हालांकि, देश में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़ने की ही आशंका है क्योंकि भूकंप के पांच दिन बाद भी अधिकतर बचाव दल को केवल शव ही मिल रहे हैं। मलबे में नाइंग लिन टुन के स्थान को सटीक रूप से निर्धारित करने और उसके जीवित होने की पुष्टि करने के लिए एक 'एंडिस्कोपिक कैमरे' का उपयोग किया गया था। व्यक्ति को सावधानीपूर्वक फर्श में छेद करके बाहर निकाला गया। व्यक्ति भूकंप के बाद लगभग 108 घंटे उस होटल में फंसा रहा जहां वह काम करता था। स्थानीय अग्निशमन विभाग द्वारा जारी किए गए वीडियो में नैंग लिन टुन कमजोर लेकिन होश में नजर आ रहा था। म्यांमार में सेना से लड़ रहे 'थ्री ब्रदरहुड अलायंस' से जुड़े एक विपक्षी मिलीशिया ने दावा किया कि सेना ने देर रात चीनी रेड क्रॉस के नौ वाहनों के एक राहत काफिले पर गोलीबारी की। काफिले में मांडले शहर के लिए राहत सामग्री ले जायी जा रही थी, जहां गत शुक्रवार दोपहर 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था और हजारों इमारतें ध्वस्त हो गई थीं, पुल ढह गए थे और सड़कें उखड़ गई थीं।

cmyk

शिक्षा भविष्य संवारने की रखती है शक्ति : आरिफ मोहम्मद खान

■ बिहार के राज्यपाल ने लोहवन के स्कूल में व्यक्त किए विचार

मथुरा। लोहवन के राजकीय स्कूल में नवीनीकरण कार्य का लोकार्पण कार्यक्रम में विहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, विधायक पूरन प्रकाश, जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसी शैलेश कुमार पांडेय।

जनता यूनियन मथुरा । बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहवन के नवीनीकृत निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इन दोनों विद्यालयों का सनश्योर एनर्जी द्वारा सीएसआर के फंड से दो विद्यालयों का नवीनीकृत कार्य कराया गया है।

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के माध्यम से ही समाज की प्रगति सुनिश्चित हुई है। शिक्षा न केवल व्यक्तियों को सशक्त बनाती है, बल्कि हमारे संयंत्रों के आस-पास के समुदायों के समग्र विकास को भी उत्प्रेरित करती है। शिक्षा सबसे शक्तिशाली मार्ग है जिसके माध्यम से हम एक मजबूत, अधिक विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा मार्ग है जो हमारे भविष्य को संवारने की शक्ति रखता है। स्कूल में हर कदम एक मजबूत, उज्जवल भविष्य की ओर ले जाता है। स्वच्छ ऊर्जा इस दिशा में एक गहरी प्रेरणा है और युवा लड़कियों को सही समय पर सशक्त बनाने के लिए शिक्षित होना जरूरी है।

इस अवसर पर विधायक पूरन प्रकाश, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, डीआईजी एवं एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय, एसडीएम सदर श्रीमती निशा,एसडीएम महावन आदेश कुमार, बीएसए सुनील दत्त, बीईओ दिनेश कुमार त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, सनश्योर एनर्जी के संस्थापक सीईओ और अध्यक्ष शशांक शर्मा और सह-संस्थापक तरुणवीर सिंह ने बिहार के राज्यपाल और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उनकी उपस्थिति के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

संविदा डाक्टर बनने को पहुंचे 22 अभ्यर्थी

■ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत होगी नियुक्तियां

मथुरा। सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में डाक्टरों का साक्षात्कार लेते सीएमओ डॉ. एके वर्मा व अन्य।

जनता यूनियन मथुरा । राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत एमबीबीएस डाक्टरों की संविदा पर नियुक्ति के लिए जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह द्वारा सीडीओ की अध्यक्षता में गठित समिति ने आज साक्षात्कार लिया गया।

बुधवार को राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता मे गठित समिति द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में संविदा पर वाक इन इण्टरव्यू के माध्यम से एम.बी.बी.एस. चिकित्सकों के साक्षात्कार लिया गया। आज साक्षात्कार मे कुल 22 चिकित्सकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। चयन समिति में मुख्य विकास अधिकारी के अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अजय कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका संयुक्त चिकित्सालय वृन्दावन श्रीमती वन्दना एंव जिला कार्यक्रम प्रबन्धक एन.एच.एम. संजय सिरोही उपस्थित रहें।

न्यूज ब्रीफ

वृंदावन कोतवाली में 218 वाहनों की नीलामी 4 अप्रैल को

जनता यूनियन मथुरा । कोतवाली वृन्दावन में लंबे समय से मुकदमाती 218 वाहनों की नीलामी न्यायालय के आदेश पर दिनांक 4 अप्रैल 2025 को नियत की गई है। जोकि एसडीएम सदर, क्षेत्राधिकारी सदर व प्रभारी निरीक्षक वृंदावन की उपस्तिथि में प्रातः 10 बजे होगी। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि इन वाहनों की नीलामी न्यायालय के आदेशो के अनुपालन में जिलाधिकारी व डीआईजी /वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा गठित टीम की उपस्थिति में कराई जाएगी।

क्रिकेट का सट्टा : युवा पीढ़ी बर्बाद

जनता यूनियन मथुरा । क्रिकेट एक अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन का खेल है जिसमें जीत हार होती हैं चाहे तो देश के मध्य मैच हो, आई पी एल के मैच हो, रणजी मैच हो या गली मोहल्लों के मैच हो या अन्य कोई। लेकिन मनोरंजन को लोगो ने एक गंदा धंधा बना लिया और इस धंधे का नाम है क्रिकेट का सट्टा।

वर्तमान में आई पी एल क्रिकेट के मैच देश में चल रहे हैं यह सभी जानते है इसमें जो टीमें खेल रही है उसने देश विदेश के खिलाड़ियों के अलावा अन्य युवा खिलाडी है जिनके आगे बढ़ने के लिए मौका चाहिए वही अधिकतर बड़े खिलाड़ी शौकिया खेलते हैं और उसके बदले स्पासर भुगतान करते हैं।

मथुरा में मनोरंजन के खेल को धधा बनाकर एक को दस बनाने का खेल काफी लंबे समय से चल रहा है जिसमे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही हैं अवैध और गैर कानून धंधा और करने वाले आवाद हो रहे हैं।

आइए बताते हैं यह अवैध व्यापार चलता कैसे है और किन क्षेत्रो में व्यापक रूप से फैला हुआ है मथुरा जनपद में चल रही हैं मैच की बुकी जिस में रुपया लगाने वाला एक साधारण व्यक्ति होता है। फोन के माध्यम से मैच के सट्टे का लगान होता है। पैमेंट लेने व देने बुकी का व्यक्ति आता है जाता है। टी वी पर मैच देख कर लोग सट्टा लगाते हैं। शहर मथुरा में चौक बाजार, स्वामी -घाट, छता-बाजार , गोविन्द नगर, गोकुल रेस्टोरेंट वाले मार्ग पर, राधेश्याम कालौनी इत्यादि जगह ये कारोबार फल फूल रहा है जो व्यक्ति बुक चलाते हैं वह कुछ पुलिस प्रशासन के संरक्षण में फल फूल रहा है ।जैसे आइ पी एल चल रहे हैं करोड़ों का लेन-देन होता है ।अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस धंधे को सरंक्षण किसका मिला हुआ है पुलिस का, क्षेत्रीय नेताओं का या अन्य किसी का। सबिधित थाना क्षेत्र के बीट देखने वालो को आखिर क्यों नहीं पता है ।यह भी सत्य है कि उनको तब तक नही पता होता हैं जब तक क्रिकेट के सट्टे के कारण जब कोई आत्महत्या न कर ले। पूर्व में भी इस प्रकार के मामले हुए तब कुछ दिन सख्ती बरती जाती रही है। थाना कोतवाली, थाना गोविंद नगर, थाना रिफायनरी, थाना हाईवे, थाना छाता कोसी कलां क्षेत्र में क्रिकेट सट्टा काफी खेला जाता हैं।

क्षेत्रीय क्रीडाधिकारी हुए रिटायर, डीएम ने किया सम्मानित

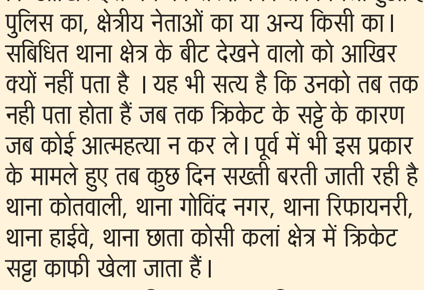

चित्रकूट। क्षेत्रीय अधिकारी विजय कुमार का खिलाड़ियों ने कबड्डी खेल कर जिलाधिकारी द्वारा किए गए सराहनीय कार्य पर उन्हें पगड़ी पहनाकर विदाई दी। उन्होंने कहा कि आरएसओ विजय कुमार ने चित्रकूट में खिलाड़ियों को बेहतर सुविधा दिलाने तथा उन्हें प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभा कराकर चित्रकूट को खेलों में एक नई पहचान दी है। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में वॉलीबॉल विजेता, सपना देवी ने जैवलिन थ्रो में प्रथम स्थान प्राप्त किया 46 टीम में प्रदेश मे भाग लिया स्टेडियम में खेल की सुविधाएं उपलब्ध है। जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, खेल प्रशिक्षक, खेल अनुदेशक, बालक बालिका, खिलाड़ी, अभिभावक कार्यालय स्टाफ ने उनके कार्यों की प्रशंसा की। क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी ने कहा कि उन्हें खेलों के विकास के लिये जब भी याद करेंगे वह अपनी सेवाएं तत्कालीन उपलब्ध कराएंगे।

जिला कोर्डीनेटर सोशल आडिट पद के लिए हुआ साक्षात्कार

■ एक पद के लिए बुलाए सात अभ्यार्थी ■ चार अभ्यार्थियों के आवेदन किए निरस्त

मथुरा। जिला कोर्डीनेटर सोशल आडिट कोर्डीनेटर के एक पद के लिए राजीव भवन में सीडीओ कार्यालय साक्षात्कार लेते मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, डीडीओ गरिमा खरे, केआर कालेज के प्रवक्ता।

जनता यूनियन मथुरा । आज राजीव भवन में जिला कोर्डीनेटर सोशल आडिट के एक पद के लिए 7 अभ्यार्थियों का साक्षात्कारी मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में हुआ।

साक्षात्कार के बाद जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने बताया कि जिला कोर्डीनेटर सोशल आडिट के एक पद के लिए कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से तीन आवेदन समय के बाद आए थे और एक आवेदन निर्धारित प्रक्रिया के तहत नहीं आया था। इन चार अभ्यार्थियों के आवेदनों को चयन समिति ने निरस्त कर दिया गया था। उसके बाद शेष बचे सात आवेदन कर्ताओं को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। ये सभी अभ्यार्थी उपस्थित हुए इनका साक्षात्कार पूरा हो गया। शीघ्र ही इसका परिणाम जारी कर दिया जाएगा।

चयन समिति में जिलाधिकारी द्वारा नामित उनका प्रतिनिधि मुख्य विकास अधिकारी अध्यक्ष, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे और मंडलायुक्त द्वारा नामित केआर कालेज के एक प्रवक्ता ने अभ्यार्थियों का साक्षात्कार लिया।

चकबंदी कार्यो मे तेजी लाने वाले चकबंदी अधिकारी सम्मानित

◆ डीएम ने कार्यो की ली समीक्षा बैठक

चित्रकूट। जिलाधिकारी की अध्यक्षता मे चकबंदी कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में लक्ष्य की पूर्ति होने एवं चकबंदी के कार्यों को सकुशल व तेजी से करने के लिए सहायक चकबंदी अधिकारी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव, राजीव कुमार तथा चकबंदीकर्ता छत्रपाल, ओमप्रकाश शर्मा, सुनील कुमार तथा चकबंदी लेखपाल निलेश कुमारी, अमित राणा, देवेंद्र कुमार साहू, नीरज कुमार एवं नागेंद्र कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि चकबंदी आयुक्त द्वारा दिए गए निर्देशन एवं आदेशों का सन 2025 व 2026 में पूर्ण रूप से पालन करते हुए चकबंदी के कार्यों को पूर्ण कराए। चकबंदी प्राधिकारियों द्वारा गांव में जाकर चकबंदी वादों का निस्तारण तेजी से करें जिससे की चकबंदी कार्यों का फायदा किसानों को अधिक से अधिक मिल सके। समीक्षा के दौरान उन्होंने चकबंदी अधिकारी शरदचंद्र यादव एवं शैलेन्द्र द्विवेदी के अनुपस्थित रहने के कारण बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी मनोहर लाल वर्धन को निर्देशित किया कि कारण बताओं नोटिस जारी करें।

शिव पार्वती विवाह की कथा व्यास ने बताई महिमा

चित्रकूट। जानकीकुंड में चल रही नौ दिवसीय कथा में उमाशंकर व्यास राम कथा का गान कर रहे है। कथा के तीसरे दिन सर्वप्रथम सदगुरू सेवा संस्थान अध्यक्ष विषद भाई मफत लाल की धर्मपत्नी रूपल बहन ने रामकथा पोथी और महाराज जी का पूजन अर्चन किया।

उमाशंकर व्यास ने बताया कि जब शंकर जी दुल्हा बने तो भोलेनाथ के सर पर जटाओं का मुकुट है मुकुट के ऊपर सर्प और कानों में छोटे छोटे सर्पो के कुंडल है हाथों में सर्पो के कंगन है और बैल पर सवार है। बताया कि जब भोलेनाथ की बरात राजा हिमांचल के दरवाजे पहुंची तो पार्वती की मां मैना दरवाजे पर आरती उतारने और चन्दन लगाने शिव जी के आती है तो जहां तिलक लगाना है वहां बिच्छू लपटा है और सर पर सर्प फन फना रहा यह देखकर रानी मैंना अंदर चली जाती है और नारद जी को कोसने लगती है कि मेरी बेटी ने तुम्हारा क्या बिगाड़ा था जो ऐसा दुल्हा खोजा मेरी बेटी को बात बिगड़ती देख नारद ने सप्त ऋषियों और राजा हिमांचल को साथ लेकर माता मैना के पहुंचे और समझाया विवाह संपन्न हुआ। इस मौके पर चित्रकूट के साधु संत, आम जनमानस, उपस्थित रहे।

ज्ञान-विज्ञान का समन्वय है अमर नाथ विद्या आश्रम : डा. वाजपेयी

■ हवन-पूजन के साथ हुआ नवीन सत्र 2025-2026 का शुभारम्भ

मथुरा।

जनता यूनियन मथुरा । 5जनपद की प्रमुख शिक्षण संस्था अमर नाथ विद्या आश्रम में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नवीन सत्र 2025-2026 का शुभारम्भ मंत्रोच्चारण के मध्य यज्ञ, हवन-पूजन के साथ हुआ । विद्या आश्रम परिवार के सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों ने प्राचीन भारतीय परम्परा के अनुरूप हवन में मंत्रोच्चारण के मध्य यज्ञ में आहूति देकर नवीन सत्र की सफलता की कामना की । विद्यालय के चेयरमैन डा. आदित्य कुमार वाजपेयी एवं विद्यालय प्रबन्धतंत्र ने सभी को नवीन सत्र शुभारम्भ की शुभकामनाएं दीं । विद्यालय में प्रवेश लेकर प्रथम दिवस विद्यालय आने वाले विद्यार्थियों को चन्दन-रोचना लगा कर स्वागत किया गया।

अमर नाथ विद्या आश्रम के प्रधानाचार्य डा. अरूण कुमार वाजपेयी ने सभी को चैत्र नवरात्रि, नवसम्वतसर की शुभकामनाएं देते हुये बच्चों के सफल एवं उज्वल भविष्य की कामना की । उन्होंने कहा है कि अमर नाथ विद्या आश्रम के होनहार बच्चे एक दिन अवश्य ही देश को गौरवान्वित करेंगे । उन्होंने कहा कि अमर नाथ विद्या आश्रम में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों के बौद्धिक स्तर में तीव्र गति से सुधार आया है तथा पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक पाठ्यक्रम, कम्प्यूटरीकृत शिक्षा तथा सम्बन्धित प्रयोगात्मक क्रियाकलापों से बच्चे संस्कारित व क्रियाशील हुये हैं । उन्होंने कहा कि स्कूल, विद्यार्थी एवं अभिभावक एक त्रिभुज के समान के होते हैं जिसमें आपसी समन्वय होना अत्यन्त आवश्यक है तभी बालक का सर्वांगीण विकास सम्भव हो सकेगा । उन्होंने कहा कि विद्यालय का इतिहास 65 वर्ष पुराना है, यहां की उच्च परम्परायें ही बच्चों को आदर्शवान, ज्ञानवान व चरित्रवान बनाने में सहायता करतीं है । उन्होंने बताया कि विद्यालय के हजारों विद्यार्थी आई.ए.एस., आई.पी.एस., डॉक्टर, इंजीनियर, उद्योगपति, सेनाधिकारी बन कर देश की सेवा कर रहे हैं तथा हजारों विद्यार्थी विदेशों में उच्च पदों पर आसीन हो देश की गौरव पताका लहरा रहे हैं ।

पूर्व में नवीन सत्र 2025-26 का शुभारम्भ पूज्या मां एवं श्री अरविन्द के छायाचित्रों के समक्ष ध्यान के साथ हुआ। नवीन सत्र शुभारम्भ के अवसर पर आयोजित हवन-पूजा में के.के. दीक्षित, विद्यालय के कोर्डिनेटर शुभम वाजपेयी, प्रशासनिक अधिकारी सुयश वाजपेयी सहित सभी शिक्षक, विद्यार्थी एवं अभिभावकगण आदि ने प्रमुख रूप से भाग लिया। कार्यक्रम में सम्पूर्ण हवन व पूजन पं. रमेश चन्द्र शर्मा एवं पं. नरेन्द्र शर्मा ने विधिवत रूप से सम्पन्न कराया ।

संस्कृति विश्वविद्यालय को मिला पेटेंट दाखिल करने में 8वां स्थान

मथुरा। संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता।

जनता यूनियन मथुरा । संस्कृति विश्वविद्यालय ने एक और कीर्तिमान हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बनाई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग से जुड़ी संस्था इंटेलेक्चुयल प्रोपर्टी इंडिया ने वर्ष 2023-24 की सूची जारी करते हुए पेटेंट दाखिल करने वाले विश्वविद्यालयों में संस्कृति विवि को 8वां स्थान दिया। वर्ष 2023-24 में संस्कृति विवि की ओर से पेटेंट कराने के लिए 750 एप्लीकेशन दाखिल की गई हैं, जो किसी भी विवि के लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उक्त जानकारी देते हुए संस्कृति विवि के कुलपति प्रो.एमबी चेट्टी ने कहा कि विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों का देश की तरक्की में बहुत बड़ा योगदान होता है। विश्व में बौद्धिक संपदा संरक्षण का महत्व तेजी से बढ़ता जा रहा है। यह एक ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का आधार है। विश्वविद्यालयों द्वारा होने वाली शोध से अर्जित बौद्धिक संपदा का स्वामित्व हासिल करने के लिए पेटेंट कानून के तहत आवेदन किया जाता है। भौतिक धन की तरह बौद्धिक संपदा का स्वामित्व लिया जा सकता है। किसी विवि द्वारा शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान क्षमताओं को मजबूत बनाना और बौद्धिक संपदा अधिकारों में कौशल निर्माण करना महत्वपूर्ण कार्य है। संस्कृति विश्वविद्यालय ने इस कार्य में गंभीरता बरतते हुए विशेष उपलब्धि हासिल की है। आज विवि अपने अनूठे शैक्षणिक कार्यों के लिए देश में अलग पहचान बना चुका है।

प्रोफेसर चेट्टी ने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा 2056 पेटेंट दाखिल किए जा चुके हैं, जो अपने आप में बहुत बड़ी बात है। इसके लिए विवि के शिक्षकों की पूरी टीम बधाई की पात्र है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2023-24 में पेटेंट दाखिल करने वालों में उत्तर प्रदेश चौथे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश से पांच हजार 779 पेटेंट एप्लीकेशन दाखिल की गई हैं। देश में पहला स्थान तमिलनाडु प्रदेश का है जहां से 9565 एप्लीकेशन दाखिल की गई हैं। प्रो. चेट्टी ने बताया कि संस्कृति विवि द्वारा दाखिल एप्लीकेशंस में अधिकतर मेडिकल साइंस, इंजीनियरिंग, एजूकेशन एवं मैनेजमेंट से संबंधी विषयों की हैं।

विवि टीम के लिए गर्व का विषयः डा.सचिन गुप्ता

संस्कृति विवि के कुलाधिपति डा. सचिन गुप्ता ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि जब विवि का शिक्षक वर्ग विवि और देश के उत्थान के लिए लगातार मिलकर काम करता है तब ही ऐसी उपलब्धियां हासिल होती हैं। वैसे यह हमारी संतुष्टि की सीमा नहीं है। सारी टीम विवि को देश ही नहीं विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत है। मुझे विश्वास है कि संस्कृति विवि एक दिन ये मुकाम हासिल करके रहेगा।

दो गांजा तस्कर गिरफ्तार, एक कुंतल 12 किलो गांजा बरामद

ट्रक की चेसिस में छिपाकर ले जाया जा रहा था गांजा

झांसी जयूसं। स्वॉट टीम और बड़ागांव थाना पुलिस ने दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक कुंतल बारह किलो गांजा बरामद किया गया। यह गांजा ट्रक की चेसिस में छिपाकर पंजाब ले जाया जा रहा था। बरामद किए गए गांजा की कीमत पच्चीस लाख से अधिक बताई गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/ पुलिस उपमहानिरीक्षक सुधा सिंह, एसपी सिटी ज्ञानेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में स्वॉट टीम प्रभारी जितेन्द्र तक्खर और बड़ागांव थाना प्रभारी प्रकाश सिंह मय स्टॉफ के साथ शातिर अपराधियों की तलाश में लगे थे, तभी सूचना मिली कि उड़ीसा से पंजाब के लिए गांजा ले जाया जा रहा है। यह गांजा ट्रक की चेसिस के पास छिपा हुआ है। इस सूचना पर स्थानीय पुलिस सक्रिय हो गई। जैसे ही ट्रक पारीछा के पास से गुजर रहा था, तभी टीम ने चालक को हाथ देकर ट्रक को रोकने को प्रयास किया तो चालक ने गति की रफ्तार बढ़ा दी। बाद में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चालक को मय वाहन समेत पकड़ लिया। चालक और मिनी ट्रक को थाना लाया गया। यहां मिनी ट्रक की तलाशी ली गई तो चेसिस के अंदर से पैकेट छिपे हुए थे। इन पैकेटों में गांजा भरा हुआ था।

पुलिस के मुताबिक पंजाब के लुधियाना निवासी कृष्ण कुमार और रणवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक कुंतल 12 किलो गांजा बरामद किया गया। अभियुक्तों ने बताया कि यह गांजा उड़ीसा से लाकर पंजाब ले जा रहे थे। वह काफी दिनों से गांजा की तस्करी कर रहे थे। इसके पहले वह झांसी से कइयों बार गुजर चुके हैं। इसमें झांसी पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध है। बरामद किए गए गांजा की कीमत 25 लाख से अधिक बताई गई है।

कई बार पकड़ा गया गांजा

स्वॉट टीम और स्थानीय पुलिस टीम ने कइयों बार गांजा बरामद कर चुकी हैं। यह भी पता है कि यह गांजा कहां से लाया जा रहा हैं, किसको देने जा रहे हैं। इसके बावजूद अभी तक स्थानीय पुलिस गांजा तस्करी की तह तक नहीं पहुंच चुकी हैं। वर्ष 2024 में झांसी पुलिस आठ बार गांजा बरामद कर चुकी हैं। इसकी कीमत करोड़ों रुपया हैं।

गांजा तस्करों के मास्टर माइंड पकड़े जाने में पुलिस पूरी तरह से हैं फेल

गांजा तस्करी के मामले में पुलिस एजेंट तो हर बार पकड़ कर लाखों का गांजा बरामद कर चुकी हैं, लेकिन यह गांजा कहां से लाकर कहां ले जाया जा रहा हैं। इस बारे में पूरी तरह से पुलिस अनभिज्ञ नजर आ रही हैं। केवल अपनी वाहवाही लूटने के उद्देश्य से मात्र एजेंटों को गिरफ्तार कर अपनी खाना पूर्ति कर रही हैं। गांजा की तस्करी कौन करवा रहा हैं। यह आरोपी अभी तक पकड़ से दूर हैं। इस तरह की कार्रवाई को लेकर पुलिस पर भी सवालिया निशान खड़ा हो रहा है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

बड़ागांव थानाध्यक्ष प्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक दामोदर सिंह, स्वॉट टीम प्रभारी जितेन्द्र सिंह तक्खर, हेड कांस्टेबल सदानंद यादव, हेड कांस्टेबल शैलेन्द्र चौहान, कांस्टेबल हर्षित चौहान, कांस्टेबल सुरजीत सिंह, कांस्टेबल ठाकुर प्रसाद शामिल थे।

शिक्षा से वंचित हो रही बेटी को मिला अभिभावक के रूप में डॉ. संदीप का साथ

झाँसी जयूसं। संघर्ष सेवा समिति की प्रतिष्ठा आज एक पौधे से वट वृक्ष के रूप में परिवर्तित होती जा रही है जनपद व आसपास की नागरिकों को किसी भी प्रकार की समस्या होती है तो वह झोकन बाग स्थित कार्यालय पर संपर्क करते हैं। समिति द्वारा असहायों एवं पीड़ितों की यथासंभव सहायता की जाती है। इसी क्रम में जनपद के बड़ागांव गेट बाहर निवासी पूनम रायकवार अपनी पुत्री तनु रायकवार के साथ संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंची। तनु के पिता रामेश्वर प्रसाद टैक्सी चलाते हैं एवं माता पूनम प्राइवेट जॉब करती हैं। माता-पिता के आपसी कलह के कारण तनु अपनी माता के साथ रहती है किसी तरह तनु की माता परिवार का गुजर बसर कर रही हैं। तनु की शिक्षा में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा था, संघर्ष सेवा समिति की सक्रिय सदस्य कुसुम साहू द्वारा तनु और उनकी माता को संघर्ष सेवा समिति कार्यालय लाया गया। जहां समिति के संस्थापक डॉ संदीप ने अन्नपूर्णा कॉलोनी स्थित एसपीडीपी पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य शरद गुप्ता से इस संबंध में बात की डॉक्टर संदीप के निवेदन पर शरद गुप्ता ने मानवतावादी दृष्टिकोण दिखाते हुए फीस में छूट देने का आश्वासन दिया, साथ ही वंदना बुक डिपो के संचालक बबलू गुप्ता ने तनु की शिक्षा हेतु पूरा कोर्स निशुल्क रूप से उपलब्ध कराया। कहते हैं जब व्यक्ति की नियत साफ और सो मानवतावादी हो तो सहयोग के लिए कई हाथ खड़े हो जाते हैं तनु रायकवार का प्रकरण इस बात का ज्वलंत उदाहरण है।

इस अवसर पर डॉक्टर संदीप ने कहा प्रत्येक बच्चों के लिए शिक्षा बहुत आवश्यक है शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है जो हमें निम्न स्तर से उच्च स्तर की ओर ले जा सकता है शिक्षा आर्थिक लाभ के साथ व्यक्ति में योग्यता भी लाती है। तनु रायकवार जैसी कई बेटियां आज धन के अभाव में शिक्षा से वंचित हो रही हैं जो हम सभी के लिए निंदनीय है हमारा संगठन प्रयास करता है कि कोई भी छात्र-छात्रा किसी अभाव में शिक्षा से अछूते ना रह जायें। आज तनु की शिक्षा में शरद गुप्ता और बबलू गुप्ता का भी जो योगदान रहा वह प्रशंसा योग्य है, हम दोनों महानुभावों का सहयोग के लिए अभिवादन करते हैं। इस अवसर पर सतनाम सिंह (काके), छत्रपाल राजपूत, ओमकार सचान, संदीप नामदेव, कुसुम साहू, भावना अग्रवाल, महेंद्र रायकवार, अरुण पांचाल, आशीष विश्वकर्मा, राजू सेन, बसंत गुप्ता, सुशांत गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

जीजा के घर पर साले का शव फाँसी के फंदे पर लटका मिला

झांसी जयूसं। जीजा के घर पर साले क ा शव फाँसी के फंदे पर लटका मिला है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

जानकारी के मुताबिक बिहार के रहने वाले हाल निवासी शकील अपने जीजा के घर समथर में रहता था। देर शाम उसने खुद को कमरे में बंद कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर, समथर थानाध्यक्ष ने बताया कि फांसी लगाने का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

विक्षिप्त ने मासूम के गुप्तांग पर काटा, हुई मौत

झांसी जयूसं। घर में अकेले सो रहे मासूम को मौका पाकर घर में घुस विक्षिप्त किशोर ने शरीर के कई अंगों पर काटते हुए उसके गुप्तांग पर काट लिया। जिससे मासूम की हालत गंभीर हो गई। उसे उपचार के लिए पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां से उसे मेडिकल कॉलेज भेज दिया। देर रात मासूम की मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान मौत हो गई।

ललितपुर के जखौरा निवासी सुजान राजपूत ने बताया कि उसका छह वर्षीय पुत्र छोटू राजा मंगलवार को घर के अंदर सो रहा था। तभी पास में रहने वाला विक्षिप्त किशोर उसके घर में घुस आया। कई बार उसे भगाया गया। लेकिन देर शाम घर पर कोई नहीं था तभी वह विक्षिप्त किशोर उसके घर में घुस आया और पुत्र को शरीर के कई अंगों पर दांतों से बुरी तरह काटते हुए उसके गुप्तांग पर काट लिया। जिससे उसके पुत्र की चीख पुकार सुनकर वह घर की ओर दौड़े तो विक्षिप्त भाग निकला और लहू लुहान पुत्र को लेकर वह लोग अस्पताल लाए, जहां से हालत गंभीर होने पर उसे झांसी मेडिकल कॉलेज भेज दिया। यहां मेडिकल कॉलेज में देर रात उसके पुत्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक बदमाश गिरफ्तार, चोरी का मोबाइल फोन बरामद

झांसी जयूसं। राजकीय रेलवे पुलिस और आरपीएफ क्राइम विंग की टीम ने मोबाइल फोन चोरी करने के आरोप में देवरिया के थाना रामपुर के ग्राम चंद्रभान निवासी अनुराग सिंह को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से चोरी का मोबाइल फोन बरामद किया दया।

अनेकों महिलाओं व कुरेश नगर के लोगों ने कॉंग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

झांसी जयूसं। शहर कांग्रेस के अध्यक्ष मनोज गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए सीपरी बाजार में प्लाजा ब्यूटी पार्लर की संचालिका एनी मशीह, आवास विकास क्षेत्र की निवासी मालती रायकवार, राधा रायकवार, राखी रायकवार व कुरैश नगर क्षेत्र के चौधरी उमर, धर्मेंद्र अहिरवार मोहम्मद फरहान इमरान आदि नेकांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने इस मौके पर कहा कि च्वो दिन दूर नहीं जब कांग्रेस की सरकार उत्तर प्रदेश में पूर्ण बहुमत हासिल करेगी। उन्होंने पार्टी की नीतियों और जनसेवा के संकल्प को दोहराते हुए नए सदस्यों का स्वागत किया, इस दौरान मनोज गुप्ता ने राहुल गांधी जी के विचारों की सराहना करते हुए जनता से कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ने और मजबूत लोकतंत्र की दिशा में कदम बढ़ाने का आह्वान किया।

इ समौके पर राहुल रिछारिया ने कहा कि कांग्रेस ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हर वर्ग के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आने वाले चुनावों में हम जनता के समर्थन से सत्ता में वापसी करेंगे। अरविंद कुमार बबलू ने कहा कि युवा और महिलाओं की भागीदारी कांग्रेस के लिए एक सकारात्मक संकेत है, जिससे पार्टी को और मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर अरविंद कुमार बबलू, राजकुमार सेन, शफीक अहमद मुन्ना, अशोक कंसोरिया, एम.सी.वर्मा, हरिओम श्रीवास, दिनेश कुमार वर्मा, हरिओम श्रीवास, हरिओम व्रजवासी, उमा चरण वर्मा, शैलेश चतुर्वेदी, अशोक कुमार कौशल, बादशाह भाई, मुमताज खान, संकल्प अग्रवाल, संजीव गुप्ता, पवन तिवारी, सुरेंद्र श्रीवास, पवन राज ठेकेदार, शैलेंद्र वर्मा, महमूद भाई, जसवंत अनुरागी, रॉबिंस खान समेत कई वरिष्ठ कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वैगन वर्कशॉप ने दूसरी बार जीती कारखाना दक्षता शील्ड

झांसी जयूसं। भारतीय रेल के लिए सर्वाधिक वैगन का उत्पादन करने वाले वैगन वर्कशॉप, झाँसी ने प्रयागराज में आयोजित विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह - 2024 में कारखाना दक्षता शील्ड दुबारा जीतने का गौरख प्राप्त किया। समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर मध्य रेल के महाप्रबंधक उपेन्द्र चन्द्र जोशी ने मुख्य कारखाना प्रबंधक अजय श्रीवास्तया को दक्षता शील्ड सौंपी। इस अवसर पर प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिमेश कुमार सिन्हा भी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही व्यक्तिगत रूप से रेल कारखाना के सीनियर सेक्शन इंजीनियर आफाक अहमद को वैगन डम्पिंग के क्षेत्र नया कीर्तिमान स्थापित करने को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार 2024 हेतु अनुसंशित किये जाने पर विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया। विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह प्रयागराज में उ?द् घोषक के रूप में अभूतपूर्व प्रदर्शन के लिये सीनियर सेक्शन इजीनियर और यार्ड प्रभारी आफाक अहमद को महाप्रबंधक ने नगद पुरस्कार से भी सम्मानित किया। रेल कारखाना में दक्षता शील्ड और राजभाषा शील्ड के मिलने से कर्मचारियों में उल्लास का वातावरण है। इस अवसर पर मुख्य कारखाना प्रबंधक अजय श्रीवास्तवा ने सभी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि झाँसी कारखाना ने गुणवत्ता और उत्पादन को सर्वोपरि माना है। वैगन वर्कशॉप ने सर्वाधिक वैगन का उत्पादन कर नये कीर्तिमान का सृजन किया है। साथ ही कडेम वैगन की डम्पिंग के क्षेत्र में भी अब तक की सर्वश्रेष्ठ डम्पिंग लगातार जारी है जिसे रेलवे को राजस्व की प्राप्ति होगी।

विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह

झांसी परिक्षेत्र को 9 शील्ड से किया गया सम्मानित

झांसी जयूसं। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह 2024 उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उपेन्द्र चन्द्र जोशी की अध्यक्षता एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी, अपर महाप्रबंधक, समस्त प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार सिन्हा सहित अन्य मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गणों की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस अवसर पर झांसी मंडल और झाँसी परिक्षेत्र 14 रेल अधिकारी एवं कर्मचारी भी पुरस्कृत किए गए।

झांसी परिक्षेत्र को 9 शील्ड से किया गया सम्मानित

महाप्रबंधक द्वारा झांसी मंडल को इलेक्ट्रिक लोको शेड शील्ड, संरक्षा दक्षता शील्ड, कार्य दक्षता शील्ड, ट्रैक मशीन शील्ड, जनसंपर्क समग्र दक्षता शील्ड, स्थापना कार्यों में सर्वोत्तम शील्ड प्रदान की गई। इसके साथ ही खजुराहो रेलवे स्टेशन को सर्वोत्तम स्टेशन प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। झांसी परिक्षेत्र में आने वाले कारखानों में झांसी कारखाना को कारखाना दक्षता शील्ड तथा सिथौली कारखाने को सर्वश्रेष्ठ कारखाना राजभाषा शील्ड प्रदान की गई। कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित किया जाने वाले न्यूजलेटर -प्रत्यूष के 100वें अंक के उपलक्ष्य में प्रकाशित विशेषांक का विमोचन भी महाप्रबंधक द्वारा किया गया।

-प्रत्यूष, के विशेषांक में झांसी मंडल के जनसंपर्क विभाग द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों का भी उल्लेख किया गया है। वर्तमान में जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह एवं उनकी टीम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई है। इसके साथ ही पूर्व में झांसी मंडल की जनसंपर्क अधिकारी के रुप में सेवाएं दे चुके ललित शर्मा, रामअवतार, रवि प्रकाश द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों का भी उल्लेख किया गया है।

मेडिकल कॉलेज की वर्न वार्ड की व्यवस्थाएं देख भड़के कांग्रेसी

झांसी जयूसं। मेडिकल कॉलेज के वर्न वार्ड में कांग्रेसी नेता पहुंचे। यहां की व्यवस्था को कांग्रेसी नेता भड़क गए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज की वर्न वार्ड की व्यवस्था ठीक किए जाने की मांग की। इस पर मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य ने व्यवस्था को ठीक करने का आश्वासन दिया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता हजरत खान को देखने जब कांग्रेस शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता अपने साथियों के साथ पहुंचे तो वहां वर्न वार्ड की व्यवस्थाओं को देखकर कांग्रेस जन भड़क गए। शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉक्टर मयंक सिंह से मुलाकात कर कहा कि वर्न वार्ड के एयर कंडीशनर काम नहीं कर रहे हैं जबकि वर्न मरीजों के लिए एयर कंडीशनर अत्यंत आवश्यक है। वार्ड के आस पास बदबू आ रही है एवं गैलरी में कुत्ते घूम रहे हैं जबकि वर्न यूनिट के पास बदबू नहीं आनी चाहिए एवं अत्यधिक साफ सफाई रहनी चाहिए।

शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने उक्त व्यवस्थाओं को अविलंब ठीक करने की मांग की। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य ने उक्त व्यवस्था अति शीघ्र ठीक कराने का आश्वासन दिया। शहर अध्यक्ष मनोज गुप्ता के साथ राजकुमार सेन, शफीक अहमद मुन्ना, अशोक कंसोरिया, दिनेश वर्मा, आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं रक्षा मंत्री का सामूहिक पुतला मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय ने फूंका

झांसी जयूसं। सत्रह मार्च को बुंदेलखंड राज्य निर्माण का समर्थन नहीं करने वाले नौ सांसद जिसमें झांसी, सागर, बांदा, जालौन, छतरपुर, हमीरपुर, दमोह, खजुराहो, टीकमगढ़ एवं दतिया के सामूहिक पुतले फूंके गए थे। पुतला फूंके जाते समय कहा गया था कि पंद्रह दिन मेंअगर अखंड बुंदेलखंड की मांग नहीं उठाएंगे तो यह माना जाएगा की सभी सांसद चाहते है कि प्रधानमंत्री, गृहमंत्री एवं रक्षा मंत्री का पुतला फूंकें। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा ने अनेक बार मांग की है कि सभी सांसद लोक सभा में मांग रखे एवं प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर बुंदेलियों की भावना से अवगत करवाईएं। अपनी पूर्व घोषणा के अनुसार पंद्रह दिन गुजरने पर भी सांसदों द्वारा सदन में मांग नहीं उठाने पर मोर्चा अध्यक्ष भानू सहाय ने सामूहिक तीन पुतले फूंक दिए।

चिरगांव भाजपाइयों ने सुनी मोदी जी के मन की बात

चिरगांव (झांसी) । बुधवार को चिरगांव नगर के कनकने वाटिका में भाजपाइयो ने मोदी जी के मन की बात कार्यकम के 120 वे एपिसोड को सुना व रामनगर रोड स्थित मार्केट में दुकानदारों व्यापारी बधुओं को उत्तर प्रदेश सरकार के 8 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पत्रक वितरित किए व योगी सरकार की उपलब्धियों के बारे में बताया। जिलाउपाध्यक्ष करुणेश बाजपेई,निवर्तमान मंडल अध्यक्ष हेमंत गुप्ता,जिला महामंत्री,दिलीप शिवहरे भारतीय,अखिलेश वाजपेई, मोहित कनकने,आशीष गुप्ता, पंकज पाठक, जानकी कुशवाहा आदि पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 के कला शिक्षक मुईन अख्तर को मिला वन्दे मातरम अवार्ड-2025

झाँसी जयूसं। केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 झाँसी के कला शिक्षक व झाँसी केजानेमाने चित्रकार मुईन अख्तर को वन्दे मातरम अवार्ड-2025 से नवाज़ा गया । यह अवार्ड दिल्ली के संस्था अनुराग्यम के द्वारा प्रादन किया गया।

आज केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 के प्राचार्या द्वारा मुईन अख्तर को वन्दे मातरम अवार्ड प्रादन किया गया। यह अवार्ड दिल्ली की संस्था अनुराग्यम के द्वारा दिया गया। झाँसी के जाने माने चित्रकार मुईन को यह अवार्ड गत वर्षो में कला के क्षेत्र में किए गए उनके योगदान के लिए दिया गया। दिल्ली की संस्था अनुराग्यम प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर वन्दे मातरम अवार्ड व्यक्तियों व संस्थाओं को गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रादन करती है. यह अवार्ड देश में विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया जाता है। समाज सेवा, कला व संस्कृति, विज्ञान, साहित्य, खेल व अन्य क्षेत्रों में विशेष रूप से वनडे मातरम अवार्ड दिया जाता है। इस वर्ष कला के क्षेत्र में इस सम्मान हेतु झाँसी से चित्रकार मुईन अख़्तर को चुना गया। अनुराग्यम संस्था ने ये अवार्ड उन्हें पोस्ट के माध्यम से भेजा है. जिसको आज केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 3 के प्रांगण में सभी स्टाफ़ व बच्चों के सामने विद्यालय के प्राचार्या द्वारा मुईन अख़्तर को भेंट किया गया। गौरतलब है कि मुईन अख्तर कला शिक्षक के साथ साथ विद्यालय के एन सी सी अधिकारी भी हैं। चित्रकार के रूप में उनके द्वारा ओरछा, झाँसी व ललितपुर के ऐतिहासिक समरकों के चित्र दर्शनीय हैं।

समय-समय पर कला के क्षेत्र से जुड़ी जिम्मेदारियाँ भी उन्हें विभाग की ओर से दी जाती हैं. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य सहित सभी स्टाफ़ के लोगों ने मुईन अख़्तर को बधाई व शुभकनाएँ दीं। इस मौके पर अजय सिंह, एन के अग्रवाल, देविदीन, राजेश कुमार, अनवर, उत्तम यादव व प्रमोद आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

केतन कुशवाहा मीनेश क्रिकेट लीग में तूफानी शतक जड़ा

झांसी जयूसं। मीनेश प्रीमियर के बुधवार को खेले गए मुकाबलों में टीचर्स वॉरियर्स के केतन कुशवाहा ने तूफानी शतक जड़ अपनी टीम को जीत दिलाई।इसके अलावा भेल टाइगर,वर्कशॉप कैपिटल,यूपीपीसीएल ने जीत दर्ज की।

सीनियर रेलवे इंस्टीट्यूट मैदान पर

पहला मुकाबला सीएमएलआर जूनियर और वर्कशॉप कैपिटल के बीच खेला गया। जिसमें वर्कशॉप कैपिटल की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 172 रन बनाए जिसमें लोकेश मीना ने 59 रनों की पारी खेली। जवाब में सीएमएलआर जूनियर की टीम 116 रनों तक ही पहुंच पाई और ये मुकाबला 56 रनों से हार गई मैच के प्लेयर ऑफ द मैच लोकेश मीना रहे।

दूसरा मुकाबला भेल टाइगर और बैंकर्स इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें भेल टाइगर ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 5 विकेट गंवा के 204 रन बनाए। जिसमें जाहिद अली ने 52 रनो की पारी खेली। जवाब में बैंकर्स इलेवन के टीम 94 रनों पर ऑल आउट हो गई और ये मुकाबला 110 रनों से हार गई। विवेक तिवारी ने 4 विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

तीसरा मुकाबला इरिगेशन विभाग और यूपीपीसीएल के बीच खेला गया। जिसमें इरिगेशन विभाग की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 130 रन बनाए। जिसमें अभिषेक ने 57 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में यूपीपीसीएल की टीम ने यह लक्ष्य 12.1 ओवर में हासिल कर लिया और 7 विकेट से ये मुकाबला जीता। हिमांशु यादव ने 64 रनों की शानदार पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच बने।

चौथा मैच टीचर झांसी वॉरियर और ब्रिज इलेवन के बीच खेला गया। जिसमें टीचर झांसी वॉरियर की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 234 रन बनाए। जिसमें केतन कुशवाहा ने 128 रनों की शानदार पारी खेली। जवाब में ब्रिज इलेवन की टीम 70 रनों पे ऑल आउट हो गई टीचर झांसी वॉरियर ने यह मुकाबला 164 रनों से जीता। राकेश साहू ने 4 विकेट लिए। मैच के प्लेयर ऑफ द मैच केतन कुशवाहा रहे ।

जीवन में अभी और तलाशना बाकी है : शबाना आजमी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता शबाना आजमी का कहना है कि, यह मानना अवास्तविक होगा कि उन्होंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। उनके अनुसार, अभी तो 'पूरा जीवन' ही जानना बाकी है। यह पूछे जाने पर कि क्या ऐसा कुछ है जो वह अभी भी नहीं जानती या जिसके बारे में वह जानना चाहती हैं, शबाना ने बताया कि हां, संपूर्ण जीवन। क्योंकि यह सोचना बेकार है कि मैंने सब कुछ अनुभव कर लिया है। हां, मैं अब ज्यादा रोमांचक काम नहीं कर सकती। वो बेवकूफी होगी, लेकिन मैं फिर भी करना चाहती हूं। मुझे ज्यादा कुछ नहीं चाहिए। अभिनेत्री ने 1974 में 'अंकुर' से अपनी शुरुआत की थी। शोबिज की दुनिया में पांच दशक बिताने वाली इस अभिनेत्री की फिल्मोग्राफी में 160 से ज्यादा फिल्में शामिल हैं, जिनमें से ज्यादातर स्वतंत्र और नवयथार्थवादी समानांतर सिनेमा की हैं। उन्होंने मुख्यधारा की फिल्मों के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट भी किए हैं। शबाना विभिन्न विधाओं में विशिष्ट, अक्सर अपरंपरागत महिला किरदारों के लिए लोकप्रिय हैं। अपने दमदार अभिनय के कारण उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है। अभिनेत्री को 1998 में पद्म श्री और 2012 में पद्म भूषण से भी सम्मानित किया जा चुका है। पीछे मुड़कर देखें तो क्या ऐसी कोई भूमिका है जिसे न निभा पाने का उन्हें अफसोस है या कोई ऐसी फिल्म है जिसका हिस्सा आप बनना चाहती थीं? वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक समग्र मंच, अंतरा एजईजी के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित अभिनेत्री ने कहा अभिनेत्री ने कहा कि मेरी एक दोस्त कहती है कि मेरी एक अजीब आदत है।

तुलसी का पौधा वातावरण को शुद्ध करने के साथ बीमारियों से बचाव में भी कारगर

एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-इंफ्लेमेटरी पाए जाते है गुण

तुलसी के पत्ते रोजाना खाने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज के समय में हर घर में पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपके घर में मौजूद एक सामान्य पौधा सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है? वैज्ञानिक शोध के अनुसार, यह पौधा न केवल वातावरण को शुद्ध करता है बल्कि कई बीमारियों से बचाव में भी कारगर साबित हो सकता है।

हम बात कर रहे हैं तुलसी की, जिसे भारतीय आयुर्वेद में एक अमृत तुल्य पौधा माना गया है। तुलसी के औषधीय गुणों पर कई शोध हुए हैं, और यह सिद्ध हुआ है कि इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो सेहत को कई तरीकों से फायदा पहुंचाते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, तुलसी के पत्तों में यूजेनॉल, एंटीऑक्सीडेंट और फ्लेवोनोइड्स पाए जाते हैं, जो हृदय रोगों के खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अलावा, यह तनाव कम करने, ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रखने और पाचन को बेहतर बनाने में भी सहायक होता है। तुलसी में मौजूद तत्व शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं।

तुलसी के पत्ते रोजाना खाने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव होता है। तुलसी का सेवन शरीर में कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को नियंत्रित करता है, जिससे मानसिक तौर पर भी अच्छा महसूस होता है। शोध में पाया गया है कि तुलसी का सेवन ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित कर सकता है, जिससे डायबिटीज रोगियों को राहत मिलती है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट हृदय को स्वस्थ रखते हैं और ब्लड प्रेशर को संतुलित करते हैं। तुलसी का रस त्वचा की समस्याओं को दूर करता है और बालों को मजबूत बनाता है। बताया जाता है कि तुलसी न केवल धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व रखती है, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह एक वरदान है। रोज सुबह खाली पेट तुलसी के 4-5 पत्ते चबाएं। तुलसी की चाय बनाकर पिएं, यह तनाव को कम करती है। तुलसी का काढ़ा बदलते मौसम में बीमारियों से बचाने में मददगार है।

खून की कमी और मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद है कदंब का फल

- स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए कदंब का फल बहुत ही उपयोगी
- पोषक तत्व शरीर की स्टेमिना को बढ़ाने में करते हैं मदद

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कदंब के फल खाने में तो स्वादिष्ट होते ही हैं, इसमें कई औषधीय गुण भी होते हैं। इसे आयुर्वेद में वरदान माना जाता है। यह पीले रंग का फल न केवल स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि इसमें कई पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। आयुर्वेद में कदंब के पत्तियां, फलों और फूलों का इस्तेमाल औषधि तैयार करने के लिए किया जाता है। इस फल में विभिन्न प्रकार के विटामिन, खनिज और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो मधुमेह (डायबिटीज) को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। आइए, जानते हैं कि कदंब के फल खाने से किन-किन बीमारियों को दूर करने में मदद मिल सकती है। कदंब का फल एनीमिया (खून की कमी) को दूर करने में मदद करता है। इसमें मौजूद विटामिन सी और आयरन शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाते हैं, जिससे खून की कमी की समस्या दूर होती है। स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए कदंब का फल बहुत फायदेमंद है। यह फल किसी औषधि से कम नहीं है। यह फल ब्रेस्ट मिल्क की मात्रा बढ़ाने में मदद कर करता है, जिससे स्तनपान कराने वाली माताओं को फायदा हो सकता है। कदंब के फल में कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट की मौजूदगी डायबिटीज (ब्लड शुगर) के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें मौजूद गुण रक्त शर्करा (ब्लड शुगर) को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। यदि आप डायबिटीज के मरीज हैं, तो आपको नियमित रूप से कदंब का फल खाना चाहिए।

कदंब का फल पुरुषों के लिए भी फायदेमंद है। यह फल पुरुषों में स्पर्म काउंट को बढ़ाने में मदद कर सकता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व शरीर की स्टैमिना को बढ़ाने में मदद करते हैं, जिससे पुरुषों की फर्टिलिटी और एनर्जी लेवल में सुधार हो सकता है।

15 सौ करोड़ चुकता कर ऋण मुक्त हुआ जीडीए

उपाध्यक्ष के नेतृत्व में 2024-25 में रचा नया कीर्तिमान

अब भेजी विकास की बयार

गाजियाबाद, (एजेंसियां)। उपाध्यक्ष अतुल वत्स के सफल नेतृत्व में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कर्ज के बोझ में दबे गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। जीडीए 15 सौ करोड़ का कर्ज चुकता कर पूरी तरह से ऋण मुक्त हो गया। यह जीडीए के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

कड़ी मशक्कत के बाद मिली इस ऐतिहासिक सफलता के बाद न केवल जीडीए उपाध्यक्ष बल्कि सभी अधिकारी गदगद है। आत्मविश्वास से लबरेज जीडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि वर्ष 2016 से 2020 के बीच एनसीआर प्लानिंग बोर्ड से 700 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2018-19 के दौरान इंडियन बैंक से मधुबन बापूधाम योजना के लिए 800 करोड़ रुपए का ऋण लिया गया था। इस ऋण के कारण जीडीए को अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा ब्याज चुकाने में खर्च करना पड़ता था। लेकिन वित्तीय वर्ष 2024-25 में अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने 1294 करोड़ रुपए के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले लगभग 1600 करोड़ रुपए की आय अर्जित की।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तार योजना के तहत हरनंदीपुरम योजना के लिए 400 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। मास्टर प्लान एवं मानचित्र अनुभाग से 450 करोड़ रुपए की आय हुई, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। संपत्तियों की बिक्री से 350 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक है। शमन शुल्क के रूप में लगभग 390 करोड़ रुपए की आय हुई। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा हरनंदीपुरम योजना के तहत भूमि खरीदने की प्रक्रिया शुरू की गई है। हाल ही में, गाजियाबाद के जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति ने भूमि खरीद की दर को निर्धारित किया है, जो संबंधित सर्किल रेट से चार गुना अधिक होगी। उन्होंने कहा कि इन उल्लेखनीय वित्तीय सुधारों के चलते, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने 800 करोड़ रुपए के मधुबन बापूधाम ऋण को पूर्ण रूप से चुकता कर दिया है। साथ ही, एनसीआर प्लानिंग बोर्ड के 700 करोड़ रुपए के ऋण के विरुद्ध सभी दायित्वों को समाप्त करते हुए 165 करोड़ रुपए के शेष भुगतान की सुरक्षा हेतु 300 करोड़ रुपए की एफडीआर भी जमा कर दी है।

आगामी वित्तीय वर्ष में जीडीए ने 3000 करोड़ रुपए के बजट का प्रस्ताव रखा है, जिसमें से 1800 करोड़ रुपए को पूंजीगत व्यय (कैपिटल एक्सपेंडिचर) में निवेश किया जाएगा। शहर के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न प्रमुख योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। राजनगर एक्सटेंशन में 60 करोड़ रुपए की लागत से चार प्रमुख सड़कें निर्माणाधीन हैं। मधुबन बापूधाम में रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण कार्य प्रगति पर है। इंदिरापुरम में 15 करोड़ रुपए की लागत से संस्कृत दर्शन पार्क एवं ग्रीन वुड पार्क का निर्माण प्रस्तावित है। कोयल एन्क्लेव योजना के अंतर्गत रामायण आधारित थीम पार्क का भी प्रस्ताव है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की यह अभूतपूर्व उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि सही नेतृत्व और वित्तीय अनुशासन के माध्यम से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है। प्राधिकरण न केवल ऋण मुक्त हुआ है, बल्कि अब नई योजनाओं जैसे हरनन्दीपुरम को गति देने और शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। जीडीए की यह सफलता शहर के सुनहरे भविष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है।

एम्पुरान विवाद : मोहनलाल स्टारर फिल्म में लगेंगे 24 कट

हैदराबाद, (एजेंसियां)। सिनेमाघरों में रिलीज के बाद से विवादों में घिरी मलयालम फिल्म 'एम्पुरान' को लेकर सह-निर्माता एंटनी पेरुंबवूर ने मंगलवार को महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि विवाद के मद्देनजर फिल्म में 24 कट लगाए जाएंगे।

उन्होंने जानकारी दी कि फिलहाल फिल्म के फिर से संपादन में जुटे लोगों ने एक भाग पूरा कर लिया है और दूसरा भाग मंगलवार को शुरू हो जाएगा। बुधवार से री-एडिट फिल्म का वर्जन स्क्रीन पर आने की संभावना है। बता दें, गर्भवती महिला वाले हिंसक दृश्यों को हटा दिया गया है और खलनायक का नाम बजरंगी से बदलकर बलदेव कर दिया गया है। केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी के अनुरोध पर फिल्म की 'धन्यवाद' स्लाइड से उनका नाम हटा दिया गया है। फिल्म में प्रमुख जांच एजेंसी एनआईए का गलत तरीके से उल्लेख किया गया है और अब नए वर्जन में उस हिस्से को म्यूट कर दिया गया है। पेरुंबवूर ने स्पष्ट किया कि फिल्म को फिर से संपादित करने का निर्णय पूरी टीम का था। पेरुंबवूर ने कहा कि हम गलत विषय पर फिल्म नहीं बनाते। फिल्म को व्यापक रूप से स्वीकार किया गया है और किसी विवाद की कोई आवश्यकता नहीं है। फिल्म में एडिटिंग किसी बाहरी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि कुछ दर्शकों को ध्यान में रखकर किया गया है। उन्होंने कहा कि जब हमें लगा कि समाज के कुछ वर्ग नाखुश हैं, तो हमने फिर से विचार करने का फैसला किया और सामूहिक रूप से इस निर्णय पर पहुंचे। निर्देशक पृथ्वीराज सुकुमारन पर आरोप लगाने की अटकलों को खारिज करते हुए पेरुंबवूर ने कहा कि सुपरस्टार मोहनलाल सहित सभी लोग रचनात्मक निर्णयों से पूरी तरह अवगत थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पृथ्वीराज को अलग करने का कोई कारण नहीं है।

आरएसएस से जुड़े प्रकाशन ऑर्गेनाइजर द्वारा एम्पुरान की आलोचना किए जाने के बाद विवाद शुरू हुआ, जिसने पहले मोहनलाल और बाद में पृथ्वीराज को निशाना बनाया। फिल्म का एडिट वर्जन क्यूब सिनेमा द्वारा संसाधित किया जा रहा है, जो सभी सिनेमाघरों और स्क्रीनिंग केंद्रों में अपडेटेड डिजिटल प्रिंट वितरित करेगा।

जब तक आपके पास कहानी है, तब तक प्रासंगिक रहेगी कला : कुमुद मिश्रा

मुंबई, (एजेंसियां)। अभिनेता कुमुद मिश्रा के थिएटर ड्रामा 'सांप सीढ़ी' को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। उन्होंने कहा है कि टेक्नोलॉजी के युग में भी कला खत्म नहीं हो सकती। जब तक आपके पास कहने के लिए कहानी है, तब तक कला प्रासंगिक बनी रहेगी।

आद्यम थिएटर द्वारा प्रस्तुत नाटक 'सांप सीढ़ी' के अभिनेता का मानना है कि जब तक आपके पास कहने के लिए कहानी है, तब तक कला खत्म नहीं हो सकती। इसके साथ ही उन्होंने नए शो, काम के प्रति अपने नजरिए और कला की बदलती स्थिति के बारे में भी बात की।

उन्होंने बताया कि मैं बचपन से सुनता आ रहा हूं कि थिएटर खत्म हो रहा है - कहां? यह कभी नहीं हो सकता। बस इसका स्वरूप बदल गया है। थिएटर फेस्टिवल बढ़े हैं, थिएटर ग्रुप बढ़े हैं, थिएटर स्पेस बढ़े हैं, दर्शक बढ़े हैं। जब तक आपके पास कहने के लिए कहानी है, तब तक कोई भी कला जीवित रहेगी और लाइव आर्ट फॉर्म की प्रासंगिकता और भी बढ़ जाती है क्योंकि आज के समय में हम मोबाइल में व्यस्त हैं। थिएटर एक ऐसी जगह है जहां आप लाइव परफॉर्मेंस और भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। सांप सीढ़ी में अपने किरदार के बारे में उन्होंने कहा कि इसमें मेरे किरदार का नाम अनिल वाधवा है। वह एक अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और पटकथा लेखक भी है, जो फिल्में बनाता है। वह स्वार्थी और थोड़ा बुरा इंसान भी है। मैंने महसूस किया है कि आप जो भी भूमिका पर्दे पर निभाते हैं, उसमें आपके स्वभाव का कुछ हिस्सा चला जाता है, कौन सा हिस्सा, यह मुझे नहीं पता। अभिनेता ने यह भी कहा कि वह अपने काम में आलोचना का स्वागत करते हैं, क्योंकि इससे उन्हें अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा, यह आपके पेशे का हिस्सा है। आलोचना का भी बहुत स्वागत है, क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि आप हर बार अच्छा काम करें। आपको आलोचना को स्वीकार करना होगा। थिएटर को एक सहज माध्यम बताते हुए मिश्रा ने सांप सीढ़ी के निर्माण के दौरान आई चुनौतियों के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, अगर आपके पास कहानी है और उसे कहने की क्षमता है, तो लोग मनोरंजन को स्वीकार करते हैं।

युवाओं में सामने आ रहे दिल का दौरा पड़ने के मामले

नई दिल्ली (एजेंसियां)। पिछले कुछ सालों में युवाओं में दिल का दौरा पड़ने के मामले सबसे ज्यादा सामने आए हैं। कोई नाचते-नाचते तो कोई खेलते कूदते हार्ट अटैक का शिकार हो गया कई बार हार्ट अटैक के लक्षणों की पहचान कर समय पर इलाज से जान बच जाती है लेकिन कई बार हार्ट अटैक जानलेवा बन जाता है। कीर्ति नगर स्थित कालरा अस्पताल के निदेशक व दिल के मशहूर डॉक्टर आरएन कालरा ने बताया कि युवाओं में दिल के दौरे क्यों पड़ रहे हैं और इनसे कैसे बचा जा सकता है। डॉ. कालरा के अनुसार, इसका एक प्रमुख कारण आजकल की युवा पीढ़ी की खराब लाइफस्टाइल है। फास्ट फूड और फिजिकली इनएक्टिव रहना, युवाओं में मोटापा, डायबिटीज, हाई कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर इसकी वजह है ये सभी कारण हार्ट के लिए खतरनाक हैं।

इसके अलावा, आजकल दुनिया में बढ़ते प्रेशर और तनाव की वजह से युवाओं में दिल के दौरे की संभावना बढ़ रही है। एकेडमिक या जॉब प्रोफेशनल्स में आगे बढ़ने के लिए कॉम्पटीशन और तनाव बढ़ रहा है। जिसकी वजह से धूम्रपान और शराब पीने जैसी आदतें लग जाती हैं।

यहां दिन के तीन पहरों में रूप बदलती हैं ज्ञान की देवी

जालौन, (एजेंसियां)। बुंदेलखंड के जालौन जिले में ज्ञान की देवी मां शारदा का ऐसा मंदिर है जहां के बारे में मान्यता है कि एक कुंड से प्रकट हुई आदि शक्ति दिन के तीन पहरों में अलग अलग रूपों में अपने भक्तों को दर्शन देती हैं। जिला मुख्यालय उरई से लगभग 30 किमी दूर ग्राम बैरागढ़ में स्थित इस मंदिर में ज्ञान की देवी सरस्वती मां शारदा के रूप में विराजमान हैं। किवदंतियों के अनुसार, यह मंदिर आदिकाल में निर्मित हुआ था और मां शारदा की मूर्ति मंदिर के पीछे बने एक कुंड से निकली थी। इस कारण इस स्थान को शारदा देवी सिद्ध पीठ कहा जाता है। मान्यता है कि देवी प्रतिमा दिन में तीन रूपों में दिखती है, सुबह के समय कन्या के रूप में, दोपहर को युवती के रूप में और शाम को मां के स्वरूप में। इन अद्भुत दर्शनों के लिए श्रद्धालु पूरे देश से यहां आते हैं। पुजारी शारदा शरण द्विवेदी ने बताया कि मंदिर प्रांगण में पाखर का वृक्ष नवरात्र के समय हरा भरा हो जाता है जहां श्रद्धालु पेड़ के नीचे तप और ध्यान भी करते हैं। भक्त मानते हैं कि पेड़ के नीचे बैठकर जो अपनी मन्नत होती है वह पूर्ण होती है।मां शारदा शक्ति पीठ ऐतिहासिक रूप से भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह पृथ्वीराज चौहान और आल्हा-उदल के युद्ध की साक्षी रही है। ग्यारहवीं सदी में बुंदेलखंड के तत्कालीन चंदेल राजा परमर्दिदेव (राजा परमाल) पर पृथ्वीराज चौहान ने आक्रमण किया था।

ट्यूलिप गार्डन है अब पहचान कश्मीर की, डल झील नहीं

- 650 कनाल से ज्यादा जमीन पर फैला फलों का बाग
- सेब, अखरोट, बादाम और खुबानी के पेड़

जम्मू, (एजेंसियां)। डल झील का इतिहास तो सदियों पुराना है। पर ट्यूलिप गार्डन का मात्र 18 साल पुराना। मात्र 18 साल में ही यह उद्यान अपनी पहचान को कश्मीर के साथ यूं जोड़ लेगा कोई सोच भी नहीं सकता था। डल झील के सामने के इलाके में सिराजबाग में बने ट्यूलिप गार्डन में ट्यूलिप की 75 से अधिक किस्में आने-जाने वालों को अपनी ओर आकर्षित किए बिना नहीं रहती हैं। यह आकर्षण ही तो है कि लोग बाग की सैर को रखी गई फीस देने में भी आनाकानी नहीं करते। मुंबई से आई जया पटेल कहती थीं कि किसी बाग को देखने का यह चार्ज ज्यादा है पर भीतर एक बार घूमने के बाद लगता है यह तो कुछ भी नहीं है।

सिराजबाग हरवान-शालीमार और निशात चश्माशाही के बीच की जमीन पर पहले यह करीब 700 कनाल एरिया में फैला हुआ था। फिर तीसरे चरण में इसे 1360 और 460 कनाल भूमि और साथ में जोड़ दिया गया। शुरू-शुरू में इसे शिराजी बाग के नाम से पुकारा जाता था।

असल में महाराजा के समय उद्यान विभाग के मुखिया के नाम पर ही इसका नामकरण किया गया था। पर अब यह शिराज बाग के स्थान पर ट्यूलिप गार्डन के नाम से अधिक जाना जाने लगा है।

कहा जाता है कि 1947 से पहले सिराजद्दीन नामक एक व्यक्ति घाटी का मशहूर फल उत्पादक था। उसके पास 650 कनाल से ज्यादा जमीन पर फैला फलों का एक बाग था, जिसमें वह सेब, अखरोट, खुबानी और बादाम का उत्पादन किया करता था। ये बाग जबरवान पहाड़ियों के दामन में स्थित था (जहां आजकल बाटेनिकल गार्डन और ट्यूलिप गार्डन है)। इस बाग का नाम उसके नाम से ही मशहूर था। पास ही रहने वाले एक 73 वर्षीय बुजुर्ग अहमद गनेई ने उन दिनों को याद करते हुए बताया कि हम इस बाग को सिराज बाग के नाम से जानते थे। जहां पर हर तरफ सेब, अखरोट, बादाम और खुबानी के पेड़ फैले हुए थे। इस बाग को देखरेख खुद मलिक सिराजद्दीन को बरसे में मिली थी। कहा जाता है कि 1947 में भारत-पाक विभाजन के दौरान मलिक सिराजद्दीन अपनी सारी संपत्ति को छोड़ परिवार सहित पाकिस्तान चला गया। उसके चले जाने के बाद स्थानीय लोगों ने इस बाग पर कब्जा कर लिया और तकरीबन 13 वर्षों तक उनके कब्जे में रहने के बाद 1960 में कश्मीर के तत्कालीन मुख्यमंत्री गुलाम मुहम्मद सादिक ने इस बाग को अपने कब्जे में ले लिया।

जबरवान पहाड़ियों की तलहटी में स्थित ट्यूलिप गार्डन में खिलने वाले सफेद, पीले, नीले, लाल और गुलाबी रंग के ट्यूलिप के फूल आज नीदरलैंड में खिलने वाले फूलों का मुकाबला कर रहे हैं। फूल प्रेमियों के लिए ये नीदरलैंड का ही माहौल कश्मीर में इसलिए पैदा करते हैं क्योंकि भारत भर में सिर्फ कश्मीर ही एकमात्र ऐसा स्थान है जहां पर मार्च से लेकर मई के अंत तक तीन महीनों के दौरान ये अपनी छटा बिखेरते हैं।

संपादक की कलम से

अमेरिकी धमकी से पहले भी भारत पर हुआ है बड़ा प्रभाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शायद विश्व राजनीति में धमकी की नई परंपरा कायम करने पर तुले हैं। अब उन्होंने रूस से कच्चा तेल खरीदने वालों को धमकाया है कि जो ऐसा करेगा, वह अमेरिका में कारोबार नहीं कर पाएगा। ऐसे देशों पर पच्चीस से पचास फीसद तक अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। यह धमकी उन्होंने इसलिए दी है कि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में न तो रूस और न ही यूक्रेन ने अपेक्षित सहयोग का रुख दिखाया है। इससे ट्रंप निराश हैं।

पिछले महीने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को बुला कर ट्रंप ने कड़े शब्दों में फटकार लगाई थी। यूक्रेन को दी जाने वाली अमेरिकी मदद पर रोक लगा दी थी। इससे उम्मीद बनी थी कि रूस, अमेरिका की युद्ध विराम संबंधी शर्तें मान जाएगा, मगर उसने अपनी शर्त रख दी कि सभी नाटो देश यूक्रेन को सैन्य मदद और गोपनीय सूचनाओं पर रोक लगाएं, तभी वह युद्ध विराम पर विचार कर सकता है। यह अमेरिका के लिए कठिन ही नहीं, शायद कभी पूरी न हो सकने वाली शर्त है। ऐसे में ट्रंप ने अब रूस पर नकेल कसने का रास्ता चुना है। मगर यह रास्ता भी उनके लिए कितना आसान और कारगर साबित होगा, कहना मुश्किल है।

अमेरिका की नई धमकी से भारत की चिंता जरूर कुछ बढ़ गई है, क्योंकि सचमुच अगर वह ऐसा करता है, तो भारत की तेल कंपनियों के लिए रूस से तेल खरीदना मुश्किल हो जाएगा। अभी भारत सबसे अधिक कच्चा तेल रूस से खरीदता है। पहले ईरान और खाड़ी देशों से खरीदता था, मगर अमेरिकी प्रतिबंध के बाद भारतीय तेल कंपनियों ने वहां से तेल खरीदना बंद करके रूस से खरीदना शुरू कर दिया था। इस तरह कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से महंगाई तेजी से बढ़ेगी, जिसका अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ेगा।

हालांकि भारतीय तेल कंपनियां अभी समझ नहीं पा रही हैं कि अमेरिका का अतिरिक्त शुल्क लगाने का ढांचा क्या होगा, इसलिए वे इसे अधिक चिंता का विषय नहीं मान रही हैं। पर जिस तरह पहले ही पारस्परिक शुल्क नीति के तहत अमेरिका ने भारी शुल्क थोप दिए हैं, उससे भारत के लिए संतुलन बिठाना कठिन हो रहा है। यह नया शुल्क और परेशान करने वाला साबित हो सकता है।

मगर ट्रंप प्रशासन के लिए भी अपनी शुल्क नीति पर लंबे समय तक कायम रह पाना कठिन होगा। इसे लेकर अमेरिका में ही विरोध हो रहा है। इसलिए कि पारस्परिक शुल्क के चलते अमेरिकी कारोबार पर भी बुरा असर पड़ सकता है। जिन चीजों के लिए अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर है, उनकी कीमतें बढ़ेंगी, तो वहां भी महंगाई बढ़ेगी। ऐसे में अमेरिकी लोगों का विरोध लंबे समय तक सहन कर पाना ट्रंप के लिए आसान नहीं होगा। वहां के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप की पार्टी के लिए भी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। फिर यह भी कि ट्रंप के नए ऐलान से रूस कितने दबाव में आ पाएगा, कहना मुश्किल है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के साथ जैसा व्यवहार ट्रंप ने किया, उससे ज्यादातर पश्चिमी देश नाराज हैं। इसलिए रूस-यूक्रेन संघर्ष रुकवाने का उनका दावा कमजोर पड़ता जा रहा है। दोनों देशों के बीच चल रहा संघर्ष निश्चित रूप से रुकना चाहिए, यह दुनिया की बेहतरी के लिए बहुत जरूरी है। मगर धौंस और धमकी के सहारे ऐसा हो पाना शायद ही संभव हो, इसके और उलझने की आशंका बनी रहेगी।

संसदीय समिति के आदेश के बावजूद अधिकारियों ने नहीं दिया अचल संपत्ति का ब्योरा

सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी संपत्ति का ब्योरा देने के लिए बार-बार कहने पर भी सार्थक नतीजे नहीं निकले हैं, तो इसकी वजह क्या हो सकती है, इसे समझा जा सकता है। दरअसल, कोई बड़ी दंडात्मक कार्रवाई न होने से प्रायः अधिकारी अपनी संपत्ति का ब्योरा देने से कतराते हैं। ऐसे में, संसद की एक स्थायी समिति ने निर्धारित समय सीमा में ब्योरा दाखिल न करने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का सुझाव देकर स्पष्ट कर दिया है कि उनमें कहीं न कहीं पारदर्शिता की कमी है।

हैरत की बात है कि निर्देश के बावजूद वर्ष 2024 में इक्यानबे अधिकारियों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा दाखिल किया। जबकि इससे पहले तिहत्तर अधिकारियों ने ही ऐसा किया था। बड़े अधिकारी ब्योरा देने से बच रहे हों, तो जाहिर है कि कहीं न कहीं उनमें ईमानदारी का अभाव है। अगर कोई भ्रष्ट आचरण नहीं किया, तो फिर अपनी अचल संपत्ति की जानकारी देने से क्यों गुरेज?

वे कुछ छिपा रहे हैं, तो कहीं न कहीं कुछ गड़बड़ है। ऐसे में अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। कोई दो मत नहीं कि ऐसे अधिकारी ही जवाबदेही से बचने का प्रयास करते हैं। जब ऊपरी स्तर पर जवाबदेही नहीं दिखेगी, तो निचले स्तर पर क्या उम्मीद की जा सकती है।

यह तय है कि ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के बिना कहीं भी सुशासन की उम्मीद नहीं की जा सकती। अगर कोई अधिकारी आदेश के अनुपालन में लापरवाही बरतता है, तो उसके खिलाफ निस्संदेह कार्रवाई होनी चाहिए। संसद की स्थायी समिति का यह सुझाव उचित है कि संपत्ति का ब्योरा दाखिल करने के लिए एक निगरानी तंत्र बनाया जाए और इसमें एक कार्यबल का गठन किया जाए, जो ब्योरा दाखिल न करने वाले अधिकारियों पर नजर रखे।

इसके बाद आगे की प्रक्रिया तय होगी। सरकारी तंत्र में जवाबदेही सुनिश्चित होनी ही चाहिए। संसदीय समिति को इसी जवाबदेही की चिंता है। बेहतर होता कि बजाय कार्रवाई के डर से, अधिकारी स्वेच्छा से अपनी संपत्ति की सूचना देते। समिति की सिफारिश के बाद उम्मीद की जा सकती है कि इसके सकारात्मक नतीजे सामने आएं।

आसान नहीं है डगर तीसरे टर्म की

बेशक, लोकसभा चुनाव में लगे धक्के से, जिसमें चार सौ पार के नारों से भाजपा, साधारण बहुमत से काफी नीचे, सिर्फ दो सौ चालीस सीटों पर आ टिकी थी, उसके बाद हुए विधानसभाई चुनावों में जीत जुगाड़ने के जरिए, भाजपा कम से कम मानसिक रूप से काफी हद तक उबरने में कामयाब रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से हुए प्रमुख विधानसभाई चुनावों में दिल्ली से पहले तक भाजपा, वैसे तो हरियाणा तथा महाराष्ट्र की दो विधानसभाओं में ही जीत हासिल करने में कामयाब हुई थी, जबकि झारखंड तथा जम्मू-कश्मीर में, अपनी सारी कोशिशों के बावजूद उसे हार का मुंह देखना पड़ा था। इसके बावजूद, इन दो जीतों के सहारे ही भाजपा ने, जिसे अपने मनमुताबिक आख्यान गढ़ने तथा मीडिया पर अपने नियंत्रण के जरिए उसे चलाने में खास महारत हासिल है, सफलता के साथ यह माहौल बना दिया था कि लोकसभा चुनाव तो एक विचलन था और आमतौर पर जनता फिर से भाजपा के पीछे गोलबंद हो चुकी है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत के बाद से, यह छवि और भी मजबूत हुई है कि मोदी के नेतृत्व में संघ-भाजपा जोड़ी ही चुनावी अजेयता फिर से लौट आई है और यहां से आगे मोदी राज की जीत ही जीत है। सिर्फ चुनावी जीत ही नहीं, आम तौर पर राजनीतिक जीत भी।

उनके इसी भरोसे की अभिव्यक्ति, मोदी राज के तेजी से ऐसे कदमों के रास्ते पर बढ़ने में होती है, जो सबसे बढ़कर आरएसएस के बहुसंख्यकों के अपने पक्ष में सुदृढ़ीकरण और बढ़ते हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण के एजेंडे की ओर ले जाते हैं। बेशक, यह किन्हीं खास कदमों का या आरएसएस द्वारा उठायी गयी खास मांगों तक ही सीमित सवाल नहीं है। मोदी राज के तीसरे कार्यकाल के करीब ग्यारह महीनों में खासतौर पर भाजपायी राज्य सरकारों के सहारे, हर साधारण से साधारण मुद्दे का सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार में तब्दील किया जाना, इस देश ने देखा है। इसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश में संभल को, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के लिए एक और अयोध्या में तब्दील किया जाना भी शामिल है। इसमें महाकुंभ का ही नहीं, होली-ईद आदि सब का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायीकरण भी शामिल है और भाजपा-शासित राज्यों में खासतौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ खुल्लमखुल्ला भेदभाव भी। जाहिर है कि आरएसएस के पुराने एजेंडे के अनुरूप, समान नागरिक संहिता का उत्तराखंड से शुरू कर, आगे बढ़ाया जाना भी इसमें शामिल है।

इसी के हिस्से के तौर पर, संघ-भाजपा ने वक्फ संशोधन विधेयक का खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक हथियार गढ़ा और आगे कर दिया। बहरहाल, तभी इस मुद्दे पर वर्तमान मोदी सरकार के समर्थन की सीमाएं सामने आ गईं। जहां लोकसभा में इस विधेयक के पेश किए जाने के बाद, उसे न सिर्फ धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों के मुखर विरोध का सामना करना पड़ा, वहीं खुद सत्ताधारी एनडीए में शामिल तेलुगू देशम तथा जनता दल-यूनाइटेड जैसी पार्टियों के प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष विरोध का भी सामना करना पड़ा; ये पार्टियां संघ-भाजपा के सांप्रदायिक एजेंडे का ज्यों का त्यों अनुमोदन करने में असुविधा महसूस कर रही थीं। इसी का नतीजा था कि एक दुर्लभ पैंतरा अपनाते हुए, मोदी राज को इस विधेयक का संयुक्त संसदीय समिति को सौंपा जाना स्वीकार करना पड़ा, ताकि इस पर विभिन्न पक्षों की और विस्तार से राय ली जा सके। यह एक प्रकार से इस विधेयक के ठंडे बस्ते में डाले जाने का ही पैंतरा था और उसे आम तौर पर उसी रूप में देखा जा रहा था।

राजेंद्र शर्मा

> संभवत: इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

लेकिन, संभवत: इसी बीच हासिल हुई प्रभावी जीतों से बढ़े हुए आत्मविश्वास के चलते, संघ-भाजपा राज ने आरएसएस के शताब्दी वर्ष में उसके पक्के एजेंडे को आगे बढ़ाने के जरिए अपनी वफादारी दिखाने के लिए, इस विधेयक को ठंडे बस्ते से बाहर निकाल लिया है। अब इस विधेयक को दोबारा लोकसभा में आगे बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है। लेकिन, इसी बीच सामने आए घटनाक्रम ने, इस विधेयक के भविष्य पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। वक्फ संशोधन विधेयक के पुनर्जीवित किए जाने की सुगबुगाहट होने के बाद से, धर्मनिरपेक्ष विपक्षी पार्टियों ने और भी दृढ़ता तथा स्पष्टता के साथ इसके खिलाफ आवाज तो उठायी ही है, इसके खिलाफ खुद मुस्लिम समुदाय भी एक स्वर से विरोध करने के लिए उठ खड़ा हुआ है। यहां तक कि इस बार रमजान-ईद के मौके पर, करोड़ों मुसलमानों ने काली पट्टियां बांधकर, इसके खिलाफ शांतिपूर्ण किंतु विराट सार्वजनिक प्रदर्शन किया है।

इस सब का नतीजा यह हुआ कि एनडीए में भाजपा के, खुद को धर्मनिरपेक्ष दिखाने वाले सहयोगियों को संघ-भाजपा को परोक्ष रूप से यह संदेश देना पड़ा है कि इस मामले में उनके समर्थन को जेब में मानकर नहीं चला जाना चाहिए। जहां बिहार में, एक प्रमुख मुस्लिम मंच ने, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इफ्तार पार्टी के बहिष्कार की घोषणा कर, उस राज्य में नीतीश कुमार पर दबाव बढ़ा दिया, जहां अगले छ: महीने के अंदर-अंदर चुनाव होने जा रहे हैं। इस दबाव से निपटने के लिए नीतीश कुमार ने किस तरह, संबंधित मुस्लिम मंच के खिलाफ दमनकारी कार्रवाई और मुसलमानों के प्रति अपनी वफादारी के आम प्रदर्शन के दुहरे हथियार आजमाए हैं, इसकी चर्चा हम किसी और मौके पर करेंगे। यहां इतना कहना ही काफी है कि इस पूरे घटनाक्रम ने नीतीश कुमार को मुसलमानों के बीच अपनी छवि को, संघ-भाजपा से अलगाने के प्रति सचेत कर दिया है।

उधर चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में आयोजित एक इफ्तारी के मंच का उपयोग, मुसलमानों को इसका भरोसा दिलाने के लिए किया कि, उनकी सरकार मुसलमानों के हितों की रक्षा करने की अपनी वचनबद्धता पर कायम है और रहेगी। वक्फ विधेयक विवाद की पृष्ठभूमि में उन्होंने खासतौर पर जोर देकर कहा कि मुसलमानों की जमीनों, परिसंपत्तियों पर किसी को भी बुरी नजर डालने इजाजत नहीं दी जाएगी। नायडू ने इसकी गारंटी भी दी। इसी दौरान राष्ट्रीय लोकदल के जयंत चौधरी ने भी मेरठ तथा संभल आदि में ईद के मौके पर नमाज पर लगायी गयी पाबंदियों पर विरोध जताते हुए, इसका संबंध राज्य या शासन के ज्यादा से ज्यादा आथोरिटेरियन बनते जाने के साथ जोड़ा और कहा कि यह उन्हें हर्गिज मंजूर नहीं है। उधर बिहार में लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने सांप्रदायिक निहितार्थ वाले मुद्दों के उठाए जाने पर विरोध जताया और ऐसे मुद्दे उठाने के लिए अपने सहयोगियों तक को नहीं बख्शा।

इस तमाम हलचल से, जिसके केंद्र में मुस्लिम अल्पसंख्यकों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाकर छोड़ दिए जाने की मोदी राज की मुहिम का विरोध या नकार है, सिर्फ वक्फ संशोधन विधेयक के भविष्य को लेकर ही नहीं, खुद मोदी राज को लेकर भी वास्तविक सवाल खड़े हो गए हैं। बेशक, यह कहने का अर्थ यह कतई नहीं है कि इस मुद्दे को लेकर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार, वर्तमान मोदी सरकार को हिला देने वाले हैं। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। लेकिन, इतना जरूर है कि नायडू-नीतीश आदि की ओर से मोदी राज को इसकी चेतावनी मिल सकती है कि वह आरएसएस के प्रति अपनी वफादारी के प्रदर्शन में, उन्हें जबर्दस्ती नहीं घसीट सकता है।

यह आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। इसी सिलसिले में प्रधानमंत्री मोदी ने खुद नागपुर जाकर, आरएसएस के मुख्यालय में माथा ही नहीं टेका है, सार्वजनिक रूप से आरएसएस की महानता का बखान भी किया है। यह आरएसएस के विभाजनकारी सांप्रदायिक चरित्र को परंपरा तथा संस्कृति की चादर से ढांपने की ही कोशिश थी, जिसके बाद उसे शासन-तंत्र में और गहराई तक रोपा जाएगा। मोदी निजाम इसी रास्ते पर बढ़ना चाहता है और उसका अब तक का रिकार्ड यही दिखाता है कि वह इसी रास्ते पर चलते जा रहा है। लेकिन, उसके चंद्रबाबू नायडू तथा नीतीश कुमार जैसे क्षेत्रीय तथा खुद को धर्मनिरपेक्ष बताने वाले सहयोगियों को, उसके साथ बंधे-बंधे अपना इस रास्ते पर घसीटा जाना मंजूर नहीं है। संघ-भाजपा की स्वाभाविक सांप्रदायिक प्रेरणा और उनके राज के अल्पमत का ही राज होने की सच्चाई के बीच का अंतर्विरोध, आसानी से हल या शांत होने वाला नहीं है। यह अंतर्विरोध मोदी राज की नैया डावांडोल नहीं भी करे, तब भी उसे हिलाता तो रहेगा ही और यह तीसरे कार्यकाल में मोदी की राह मुश्किल बनाने जा रहा है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

भाजपा में मोदी का विकल्प नहीं

नए संवत्सर की शुरुआत पर गुड़ीपड़वा के दिन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में संघ प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री की भेंट का इंतजार बहुत लोगों को था लेकिन जो आधिकारिक बातें निकालकर आईं उनसे ऐसा कोई संकेत नहीं मिला कि भाजपा के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार समेत की बड़े मसलों पर इन दो शीर्षस्थ लोगों के बीच कोई निर्णयात्मक बात हुई। इस बीच अगर शिव सेना के संजय राउत प्रधानमंत्री के उत्तराधिकारी वाली बहस न छेड़ते तो बातचीत का मसला न्यूज के हिसाब से फीका होकर एक किनारे लग गया होता। संजय राउत से महाराष्ट्र के मुख्यमन्त्री देवेन्द्र फड़नवीस बहस में उतरे और यह कहा कि न तो भाजपा को कोई उत्तराधिकारी चाहिए और न इस मसले पर कोई चर्चा हुई। उन्होंने इस बात का भी खंडन किया कि मोदी का उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा। उनके अनुसार 75 वर्ष पर सक्रिय राजनीति से अलग होने का फैसला प्रधानमंत्री पर लागू नहीं होता और अगले चुनाव में भी नरेंद्र मोदी ही अगुआई करेंगे। संजय राउत 75 वर्ष वाले मसले को उठाने के साथ फड़नवीस बनाम नितिन गडकरी जैसे सवालों को भी छेड़ रहे थे जो महाराष्ट्र और संघ परिवार की राजनीति के लिए काफी महत्व का है। लेकिन गौर से देखेंगे तो मोदी के उत्तराधिकार और भाजपा के अगले अध्यक्ष का सवाल पूरे मुल्क की राजनीति के हिसाब से काफी बड़ा है।

अरविन्द मोहन

> दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते।

अब ऐसा भी नहीं है कि संघ प्रमुख और प्रधानमंत्री माइक/कैमरा लगाकर सारी चर्चा करते और हम आप सभी उनकी बातचीत और भाव भंगिमा को सीधे देख सुनकर जान जाते। ऐसा होता नहीं है। पर जिस तरह मोदी जी ने भाजपा के अपने से पुराने नेताओं की जमात को 75 पार के नाम पर सिरे से दरकिनार कर दिया उससे यह उत्सुकता तो होनी ही है कि उनका 75 पूरा होने पर क्या होता है। लेकिन इससे भी ज्यादा साफ मसला भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा लोक सभा चुनाव के पहले यह कहना था कि अब भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। वह खुद से सक्षम बन चुकी है। संयोग से उसके बाद उनका कार्यकाल भी खत्म होना था और चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन खराब भी रहा। सो जब नई सरकार में उनको मंत्री बना दिया गया तो उन्होंने इस्तीफा दिया और नया अध्यक्ष चुने जाने तक कामचलाऊ अध्यक्ष के रूप में काम किए जा रहे हैं। अब साल नजदीक आ रहा है और भाजपा नया अध्यक्ष नहीं चुन पाई है। जो बातें छन-छन कर सामने आती रहीं उनके अनुसार इसमें संघ द्वारा अपनी पसंद का आदमी लाना बड़ी वजह है जिससे साबित हो कि भाजपा अभी भी संघ से अलग नहीं है। दूसरी और व्यावहारिक बात भाजपा के कमजोर होने से संघ का हौसला बढ़ना है। और तब से यह काफी प्रचारित हुआ है कि राजस्थान, महाराष्ट्र, हरियाणा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में भाजपा ने संघ के सहारे ही हारती बाजी को पलटा है।

इस लेखक की तरह काफी सारे लोग होंगे जिनकी दिलचस्पी भाजपा और संघ के संबंधों में किसके ऊपर और किसके नीचे होने में नहीं है। और यह गलतफहमी भी नहीं रखनी चाहिए कि कभी संघ और भाजपा जुदा होने या एक दूसरे का नुकसान करने जैसी स्थिति में आएंगे। पर हमारी दिलचस्पी नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी में जरूर है और इसका उनके 75 साल का होने से भी कोई मतलब नहीं है। आडवाणी जी, मुरलीमनोहर जोशी, कलराज मिश्र से लेकर रविशंकर प्रसाद तक को जब उनकी सम्पूर्ण सक्रियता और काम करने की इच्छा के बाद भी दरकिनार कर दिया गया तो शायद ही किसी को अच्छा लगा। उनकी भरपाई मोदी जी ने कुछ पूर्व नौकरशाहों और दूसरे क्षेत्र के लोगों को साथ लेकर पूरी की। तीन-तीन चुनाव जितवाने वाले, अपनी सक्रियता और सारी स्थितियों पर पूरा कंट्रोल रखने वाले मोदी जी सिर्फ उम्र की सीमा के चलते किनारे हो जाएं तो यह भी अच्छा नहीं होगा। लेकिन उनके उत्तराधिकार का सवाल उससे ज्यादा बड़ा है। और दस ग्यारह साल के अपने शासन काल में उन्होंने स्थिति खुद भी ज्यादा मुश्किल बना ली है। आज राजनाथ सिंह और नितिन गडकरी को छोड़कर बाकी कोई नाम नहीं बचा है और अगर वे विकल्प बन सकते हैं तो मोदी में ही क्या हर्ज है।

मोदीजी के विकल्प का सवाल पूरे संघ परिवार या मोदी समर्थक जमात की मौजूदा स्थिति से भी जुदा है और इस लेखक ने जानबूझ कर अमित शाह का नाम दो बड़े लोगों के साथ नहीं जोड़ा क्योंकि उनका नाम आते ही उनके समर्थकों से ज्यादा विरोधी सक्रिय होंगे। वे कभी सारे लोगों या अधिकांश लोगों की पसंद नहीं बन सकते भले आज संगठन और सरकार में वे मोदी के बाद सबसे ताकतवर नेता हैं। लेकिन ऐसा मोदी जी के समर्थन और रणनीति के चलते है। असल में यह पूरा जमात आज दो धड़ों में बंटता दिखता है और शाह जी सिर्फ एक धड़े को मान्य लगते हैं। वे कमोबेश मोदी जी की छाया बनाकर रह गए हैं, अपना आधार बनाना भूल गए हैं या उनका वैसा आधार नहीं रहा है. दूसरी ओर हिन्दुत्व की ज्यादा उग्र नई भाषा बोलने के उस्ताद योगी आदित्यनाथ और फड़नवीस ही नहीं भाजपा के ज्यादातर मुख्यमंत्री अपने-अपने आधार के साथ उसमें वृद्धि करते जा रहे हैं। अगर गोपनीय नाम वाले सोशल मीडिया समूहों की चर्चा को जरा भी भरोसेमंद मानें तो राजनाथ, गडकरी, शाह, नड्डा, शिवराज समेत सारे नरमपंथी हिंदुत्ववादी आज 'रायताज' खेमे में आ गए हैं. योगी, फड़नवीस, मोहन द्वय समेत ज्यादा उग्रवादी भाषा बोलने और बुलडोजर को राजनैतिक हथियार बनाने वाले नेता 'ट्रेडस' अर्थात असली ट्रेडिशनलिस्ट हैं। ट्रम्प समर्थक और विरोधियों वाला यह वर्गीकरण आज यहां भी आ गया है। आज तो संघ का पूरा नेतृत्व ही पहले खेमे में गिना जाने लगा है।

यह भी सच है कि दूसरे खेमे के नेता भाजपा और मुल्क को संभालकर आगे ले जा सकते हों इसमें उनके मुट्ठी भर दीवाने समर्थकों को छोड़कर किसी को भरोसा नहीं है। औरंगजेब के मकबरे के सवाल पर फड़नवीस और संभल के सवाल पर योगी सरकार के व्यवहार से यह साबित हुआ है कि ये नेता चाहे जितना फड़फड़ाएं, मोदी जी का विकल्प नहीं बन सकते। यह भी तय है कि ये लोग मोदी को छोड़कर किसी और को नेता नहीं मान सकते। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में लोक सभा चुनाव में जब इनको महत्व नहीं मिला तो भाजपा का प्रदर्शन इस बात की गवाही है कि इनको पार्टी को नुकसान करने में भी कोई परहेज नहीं रहता। इनके अपने से देश और पार्टी नहीं चलेगी लेकिन ये मोदी के अलावा किसी और नाम पर सहमत नहीं हो सकते। दूसरी ओर कथित 'रायताज' अर्थात उदारवादी धड़े के किसी नेता द्वारा इनको अपने साथ रख पाना उससे भी ज्यादा मुश्किल है। कार्यक्षमता और सैद्धांतिक पोजीशन से नेतृत्व पाने और मनवाने के दिन तो काफी पहले से लद गए हैं। ऐसे में मोदी है तभी तक मौजूदा स्वरूप में भाजपा और सरकार का चलना मुमकिन है।

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेश्वर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है।

लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगुर्ण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है।

पावन प्रसंग

श्रेष्ठता के लिए करें स्वयं को होम

मित्रो ! श्रेष्ठता के लिए आदर्शवादिता के लिए अपने आप को होम कर देना, अपने आप को खत्म कर देना, उसी के लिए संभव है, जिसके मन में से बेहिसाब करुणा टपकती हो, जहां कहीं भी हम देखते हैं, हमको करुणा ही दिखाई पड़ती है, जो आदमी की उन्नति के पथ पर आगे बढ़ाती चली जाती है। जितने भी अच्छे श्रेष्ठ आदमियों को हम देखते हैं, वे सब करुणा से भरे हुए हैं। जापान में कागावा को गांधी कहते हैं, जैसे कि हिंदुस्तान के गांधी थे। कागावा कौन है ? बेटे कागावा उस आदमी का नाम है जिसने एम.ए. की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद में यह निश्चय किया कि अपनी बची हुई जिंदगी को दुखियारों के लिए खर्च करूंगा। जिन मुहल्लों में पीड़ित लोग रहते थे, शराबी, बीमार, कोढ़ी लोग रहते थे, उसी जगह उन्होंने अपनी झोपड़ी डाल ली और जिंदगी भर दरिद्रनारायण की सेवा में समर्पित हो गए। पचास रुपए में अपना गुजारा करने वाले जापान के गांधी कागावा सारे के सारे दुखियारों की, दीनों की, पीड़ितों-पतितों की सेवा करने में लगे रहे। जापान की गवर्नमेंट ने, जनता ने उन्हें भरपूर सहायता दी।

मित्रो, भगवान की सहायता किसको मिली ? जिनके पास कलेजा और हृदय है। आपके पास हृदय है कहां ? जरा अपनी छाती पर हाथ रखकर देखें। अक्ल तो है, पर कितनी बढ़ी है ? जालिम अक्ल, बेईमान, अक्ल, दुष्ट अक्ल, पापी अक्ल, पतित अक्ल, और कमीनी अक्ल हमारे ऊपर के हिसाब रूप से हावी हो गई और हमको न जाने क्या से क्या कराती है, न जाने कितने तरह के जाल बुनने को हमें मजबूर करती है और न जाने कहां-कहां हमको भटकाती और ले जाती है। बेटे यह अक्ल एक कोने पर लेकिन जहां तक आध्यात्मिक जीवन का संबंध है, जहां तक भगवान की भक्ति का संबंध है, जहां तक मनुष्य की श्रेष्ठता और शालीनता का संबंध है, जहां तक भगवान की भक्ति का संबंध है, जहां तक मनुष्य की श्रेष्ठता और शालीनता का संबंध है, ये सारी की सारी बातें हृदय से ताल्लुक रखती हैं। ये आदमी की उदारता से ताल्लुक रखती हैं। ये आदमी की श्रद्धा से ताल्लुक रखती है भक्ति से ताल्लुक रखती है। जो आदमी कोमल हृदय के होंगे, वह अकेले खा नहीं सकता, जमा नहीं कर सकता, अमीर नहीं बन सकता, क्योंकि उसके सामने हजारों हाथ पीड़ितों के चारों ओर फैले दिखाई पड़ेंगे। वह खा नहीं सकता। ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने देखा कि अमीरी और गरीबी और पिछड़ापन समाज में अभी भी विद्यमान है, जो हमारे समय में था। हमारे पिता सुविधा नहीं जुटा पाए। हम किताबें मांग करके लाते और स्ट्रीट लाइट के नीचे खड़े होकर पढ़ते थे। यदि आज भी ऐसे विद्यार्थी हैं तो उनको मुझे सहायता करनी चाहिए। उनके ईमान ने सोचा कि जो भगवान गरीबों के रूप में हजारों-हजार हाथों से आदमी से मांगता और पुकारता है, उसके लिए मुझे कुछ करना चाहिए।

मित्रो, अगर ईमान हमारे और आपके भीतर हो तब, उदार हृदय हमारे पास हो तब ? पर हम तो हृदयहीन हैं। हृदय कहीं से धड़कता तो है, पर लोहार की धौंकनी के तरीके से है। इसमें करुणा का नाम भी नहीं। दया, उदारता का नाम भी नहीं है। इसमें तो महत्वाकांक्षाएं, लालसाएं और लिप्साएं इतनी ज्यादा जमा हो गई हैं कि यहां आकर के भगवान क्या करेगा ? यहां आकर के देवी क्या करेगी ? यहां आकर के आध्यात्मिकता क्या करेगी ? ईश्वरचंद्र विद्यासागर को पांच सौ रुपए तनख्वाह मिलती थी। उन्होंने अपने घरवालों से कहा कि आप लोगों को पचास रुपए महीने में ही गुजारा करना पड़ेगा। आपके ऊपर ज्यादा खर्च नहीं किया जा सकता। चार सौ पचास रुपए महीने के बारे में उन्होंने यह व्यवस्था बनाई कि जो विद्यार्थी यह अनुभव करते हों कि हमारे पास किताबें, पेंसिल, मिट्टी के तेल, फीस आदि की कमी है या दूसरी चीजों की कमी है तो वे हमारे घर से ले जाया करें। सब बच्चे आते और अपनी जरूरत की चीजें ले जाते। मित्रो, उस जमाने में भले ईमानदार आदमी रहे होंगे, लेकिन आजकल कैसे बेईमान और चालाक कम है ? आज तो फीस कम करवाने धनवानों के बच्चे अपने रिश्तेदारों के नाम पर फीस माफ करवा लेते हैं और जो वास्तव में जरूरतमंद हैं, वे गरीब रह जाते हैं। आज सब बंटाधार होता चला जा रहा है किसी जमाने में लेने वालों में भी शराफत थी और देने वालों में भी शराफत थी। केवल वे ही विद्यार्थी पाते थे, जो पाने के हकदार होते थे। चार सौ पचास रुपए में हजारों विद्यार्थी लाभ उठाते। कोई पेंसिल, कोई मिट्टी का तेल, कोई कापी, कोई फीस मांग ले जाते। चार सौ पचास रुपए में सैकड़ों हजारों बच्चे को पढ़ते देख विद्यासागर निहाल होते थे।

अखंड ज्योति

आपके पत्र

अचल संपत्ति का विवरण नहीं देने वालो अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई हो

लोक शिकायत कानून संबंधी संसदीय समिति ने बीते वर्ष अधिकारियों की ओर 91 उच्च अधिकारियों द्वारा अचल संपत्ति का विवरण नहीं दिए जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

नौकरशाही में भ्रष्टाचार एक गंभीर समस्या है जो हमारे देश की प्रगति में बाधा डालती है। यह समस्या तब और भी गंभीर हो जाती है जब अधिकारी अपनी संपत्ति का विवरण नहीं देते हैं और नियमों से ऊपर समझने लगते हैं। भारत में नौकरशाही का मौजूदा स्वरूप ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की देन है। इसके कारण यह वर्ग आज भी अपने को आम भारतीयों से अलग, उनके ऊपर, उनका शासक और स्वामी समझता है। अपने अधिकारों और सुविधाओं के लिए यह वर्ग जितना सचेष्ट रहता है, आम जनता के हितों, जरूरतों और अपेक्षाओं के प्रति उतना ही उदासीन रहता है।

भारत में भ्रष्टाचार एक पुरानी समस्या है जिसके कारणों में अत्यधिक नियम, जटिल कर और लाइसेंस प्रणाली, अपारदर्शी नौकरशाही और विवेकाधीन शक्तियों वाले कई सरकारी विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के मामलों में सरकार की ओर से भी लापरवाही बरती जाती है, जिससे समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

इस समस्या का समाधान निकालने के लिए जरूरी है कि अधिकारियों को उनके कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराया जाए और उनके अधिकारों में कटौती की जाए। इसके अलावा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके ऑनलाइन प्रणाली बनाई जा सकती है जिससे अधिकारियों की गतिविधियों पर निगरानी रखी जा सके।

जटिल नियमों और लाइसेंस प्रणाली को सरल बनाने से भ्रष्टाचार के अवसर कम हो सकते हैं। इन कदमों को उठाने से भ्रष्टाचार की समस्या को कम किया जा सकता है और हमारे देश की प्रगति में मदद मिल सकती है।

सुभाष बुड़ावनवाला, दिल्ली

cmyk

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान व दस्तक अभियान शुरू

आमजन के स्वास्थ्य के लिये तत्पर चिकित्सा विभाग

ललितपुर। जन-जागरूकता रैली को रवाना करते सदर विधायक।

ललितपुर। सदर विधायक रामरतन कुशवाहा ने सीएमओ कार्यालय से स्वास्थ्य जन जागरूकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस प्रकार विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ हो गया।

उपस्थित जनों को विधयक ने संचारी रोगों से बचाव हेतु शपथ दिलवायी। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 से 30 अप्रैल तक चलेगा। इसी बीच दस्तक अभियान 10 से 30 अप्रैल तक चलाया जायेगा। प्रभारी सीएमओ डा.अमित तिवारी ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान अन्तर्विभागीय समन्वय से चलेगा। नोडल अधिकारी डा.आर.एन.सोनी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में नोडल विभाग का कार्य करेगा। डिस्ट्रिक पब्लिक हेल्थ स्पेशलिस्ट डा.सौरभ सक्सेना ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में संचारी रोगों के बचाव के लिए सभी विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां चलायी जायेगीं। जिला मलेरिया अधिकारी अनिल क्रिस्टोफर मैसी ने बताया कि संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से जनपद वासियों को वेक्टर जनित, जल जनित एवं अन्य संचारी रोगों के बचाव व रोकथाम के बारे में जागरूक किया जायेगा। दस्तक अभियान अभियान में आशा एवं आंगनबाड़ी द्वारा घर-घर भ्रमण के दौरान बुखार, खांसी, जुकाम (आई.एल.आई.), क्षयरोगी, कुष्ठरोगी को खोजेगी एवं ई-कवच पर दर्ज करेगी एवं कुपोषित बच्चों एवं मच्छर प्रजनन वाले घरों की सूची बनायेगी। इसके साथ ही आभा आईडी बनाने का कार्य करेगीं। लू (हीट स्ट्रोक) से बचाव के सम्बन्ध में भी जानकारी प्रदान करेगीं। डा.राजेश भारती ने बताया कि शहरी क्षेत्र में आशायें एवं ए.एन.एम. संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान में पूरे मनोयोग से कार्य करेगीं। इस मौके पर एस.एम.ओ. डब्लू.एच.ओ., डी.एम.सी. (यूनीसेफ), सहायक मलेरिया अधिकारी, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक, मलेरिया निरीक्षक, एस.एफ.आई. नगर पालिका एवं कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दैनिक जनता यूनियन की खबर रंग लाई

- आनन फानन में वन विभाग ने की वनों को आग से बचाने की तैयारी
- वन विभाग में आपदा बैठक सम्पन्न

ललितपुर। वनों को आग से बचाने बैठक में आये जिम्मेदार लोग।

मड़ावरा- मदनपुर के जंगलों में लगी आग

वन विभाग बनाये अग्नि सुरक्षा फंड एवं ट्रेनिंग

ललितपुर। दैनिक जनता यूनियन की खबर का असर फिर देखने को मिला है। बुधवार को दैनिक जनता यूनियन में पेज-6 पर प्रकाशित खबर मड़ावरा-मदनपुर के जंगलों में लगी आग नामक खबर मय फोटो के प्रमुखता से प्रकाशित की गयी थी। इस खबर पर तत्काल कार्यवाही करते हुये वन विभाग ने आपदा प्रबंधन की बैठक बुलाकर वनों को आग से बचाने की तैयारी की है।

आज बुधवार को महावीर कौजालगी वन संरक्षक/क्षेत्रीय निदेशक बुन्देलखण्ड वृत्त झाँसी की अध्यक्षता में प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभाग ललितपुर के कार्यालय में वनों को अग्नि से बचाने के सम्बन्ध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक अध्यक्ष द्वारा संरक्षितध्आरक्षित वनों को अग्नि से बचाने हेतु निर्देश जारी किये गये। प्रभागीय निदेशक-डीएफओ गौतम सिंह ने बताया कि जिला स्तरीय कन्ट्रोल रूम स्थापना प्रभागीय कार्यालय में की जा चुकी है। यह भी बताया कि यदि कोई व्यक्ति वनों के आस.पास या अंदर महुआ फूल एकत्रित करने के लिये महुआ के पत्ते जलाते हुये पाया जायेगा तो उसके विरूद्ध वन अधिनियिम-1927 की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। बैठक में समस्त क्षेत्रीय वन अधिकारियों को भी उक्त के सम्बन्ध आवश्यक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में प्रशिक्षु भारतीय वन सेवा सचिन कुमार, उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ.शिरीन, समस्त क्षेत्रीय वन अधिकारी, जिला आपदा विषेशज्ञ आरती सिंह, समस्त वनदरोगा/वनरक्षक, साईं ज्योति संस्था से रमन शर्मा, मुक्ति संस्था/अनंत सेवा ग्रुप से डॉ.प्रबल सक्सेना, पीडी नमामि गंगे केतन दुबे आदि अनेक गणमान्यजन मौजूद रहे।

हथियारबंद पड़ौसियों ने पूरे परिवार को पीटा

- पुलिस से शिकायत की तो किया दोबारा हमला
- पीड़ित ने की एफआईआर दर्ज कर कार्यवाही की माँग

ललितपुर। मोहल्ला आजादपुरा देहरे मंदिर के पास लेडियापुरा निवासी मनोज कुमार पुत्र राजाराम कुशवाहा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को सुबह करीब 11 बजे वह परिवार के साथ घर पर था। तभी मोहल्ले में रहने वाले कुछ नामजद लोग अपने साथ करीब 15-20 लोगों को लेकर लाठी-डण्डों, तलवार, फरसा इत्यादि से लैस होकर आये और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उक्त लोगों ने उक्त लोगों ने उसके घर में घुसकर पूरे परिवार से मारपीट कर दी। आरोप है कि उक्त लोगों ने उसकी सोने की चैन व 1500 रुपये भी जबरन छीन लिये और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पीड़ित ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की वीडियो-फोटो उसके मोबाइल फोन में सुरक्षित है। मामले की शिकायत जब उसने कोतवाली में की तो इससे क्षुब्ध होकर बुधवार को सुबह करीब 8 बजे उक्त लोगों ने फिर से एकराय होकर उसे गालियां देते हुये मारपीट पर आमादा हो गये। पीड़ित ने पुलिस से मामला दर्ज कर सख्त कार्यवाही किये जाने की गुहार लगायी है।

जिला कैमिस्ट ऐसोसिएशन की बैठक सम्पन्न

समस्याओं पर ज्ञापन देंगे 7 को

ललितपुर। समस्याओं पर चर्चा करते कैमिस्ट।

ललितपुर। किराना, जनरल स्टोर्स, मॉल और पान की दुकानों पर प्रतिबंधित दवायें बेचे जाने सहित अन्य समस्याओं के निराकरण के लिये जिला केमिस्ट ऐसोसिएशन आगामी 7 अप्रैल को औषधि निरीक्षक को ज्ञापन सौंपेगी।

ललितपुर कैमिस्ट ऐसोसिएशन की बैठक स्थानीय प्रेस भवन में आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ दवा व्यवसायी नवीन समैया ने की। बैठक में सस्थाध्यक्ष सम्भव सिंघई ने कहा कि जिले के तमाम किराना व जनरल स्टोर्स, मॉल और पान की दुकानों पर धड़ल्ले से कई प्रतिबंधित दवायें व क्रीम बेचीं जा रही हैं। कई नकली दवाओं की भी उक्त दुकानों से बिक्री हो रही है। जिससे दवा व्यापार की छवि खराब की जा रही है। समस्या समाधान के लिये आगामी 7 अप्रैल को औषधि निरीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कार्यवाही किये जाने का निर्णय लिया गया। दवा व्यवसायी अंशुल जैन ने कहा कि दवा व्यवसायियों फार्मासिस्ट की अनिवार्यता के फैसले पर भी केन्द्र सरकार को व्यापारियो के हित में सुधार कर पहले की भाँति दवा व्यवसयी के अनुभव के आधार पर लाईसेस देने चाहिए। बताया कि पूरे प्रदेश में करीब 125 लाख व्यक्ति दवा व्यवसाय से जुड़े हैं। दवा व्यवसायी जितेन्द्र जैन ने कहा कि मानवता के दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवाये जन सामान्य के लिए सस्ती व सुलभ रूप से उपलब्ध कराने की शासन व प्रसाशन की जिम्मेदारी है। हाल ही में 10 गुना की मूल्य वृद्धि से यह दवायें मंहगी व दुर्लभ हो जायेंगी। दवा व्यवसायी भगत सिंह गौर ने जानकारी दी कि ऐसे सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में डिग्री होल्डर डाक्टर जाना नहीं चाहते, वहाँ दवा व्यवसायी ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं। बैठक में अशोक जैन शाह, दीपक नायक, लोकेन्द्र राजा, सिद्धार्थ शर्मा, राहुल चौधरी, राजू समैया, जयनारायण कटारे, अनुज जैन, अखिल समैया, विपुल पाली, प्यारेलाल साहू विरधा, अमित जैन, सोहिल मंसूरी जाखलौन, जहीर खान धोर्रा, संदीप गोस्वामी, नितिन जैन, कमलेश जैन जखौरा, मनोज गुप्ता, मुकुल जैन, हरीराम अहिरवार बार, अशोक अहिरवार, नरेन्द्र पटैरिया, सुमित जैन, जगदीश कुशवाहा, रविराजा, रेशु लागौन, मनोज सिंह, जय साहू, प्रकाश जैन, अभिलाष रिछारिया सहित तमाम दवा व्यवसाई उपस्थित रहे। संचालन मनोज जैन ने किया व आभार अध्यक्ष सम्भव सिंघई ने जताया।

वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

समस्याओं पर ज्ञापन देंगे 7 को

ललितपुर। समारोह में आये बच्चे व शिक्षक।

ललितपुर। नगर के आजादपुरा तृतीय स्थित माई छोटा स्कूल व एसबीएन कान्वेन्ट स्कूल में कक्षा पीसी से लेकर कक्षा 8 के बच्चों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया।

विद्यालय के डायरेक्टर अशोक कुमार सेन, प्रधानाचार्या आराधना शर्मा, रामनारायण शर्मा, नीलम एवं पत्रकार चायना, देवेंद्र साहू, विभांशु तिवारी ने मेधावियों को सम्मानित किया। माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन से शुभारंभ के बाद कक्षावार बच्चों को परीक्षा परिणाम घोषित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। अभिभावकों को भी मेधावियों के साथ मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रानी कुशवाहा, ज्योति कुशवाहा, रोशनी कुशवाहा, आरती जैन, मनोरमा, पलक सेन, स्नेहा शर्मा, स्नेहा झा, रिया शर्मा, अनन्या, भावना आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

महरौनी पुलिस ने दबोचा दुष्कर्मी

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में एवं एएसपी अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी महरौनी रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण में जनपद में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मामला धारा 376 भादवि व 67 आई.टी. एक्ट में वांछित अभियुक्त मध्य प्रदेश के जिला टीकमगढ़ अंतर्गत ग्राम पारी निवासी पुष्पेन्द्र सिंह यादव पुत्र गुलाब सिंह यादव को मुखबिर की सूचना पर नाराहट रोड दाल मील के पास से हिरासत में लिया गया है। दुष्कर्मी को पकड़ने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार, हैडकाँस्टेबिल सनी यादव, हैडकाँस्टेबिल विपिन कुमार अवस्थी आदि शामिल रहे।

थ्रेसिंग का भूसा उड़कर खेत में गया तो महिला को पीटा

ललितपुर। कोतवाली तालबेहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम चुरावनी निवासी रामदुलारी पत्नी स्व.भगवानदास लोधी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि विगत दिवस शाम करीब 4 बजे जब वह अपने घर पर बैठी थी। कि तभी गांव के रामजीवन पुत्र जगदीश लोधी उसके पास आया और कहा कि उसके पुत्र त्रिलोक ने गेंहू की थ्रेसिंग करते समय उसके कटे पड़े गेंहू के खेत में भूसा भर दिया है। जिस पर उसने कहा कि वह अपने पुत्र से पूछेगी। इसी बात से क्षुब्ध होकर रामजीवन ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि शोरगुल होने पर उसका छोटा नाती सुसेन्द्र व मोहल्ले की छोटी पत्नी जयराम लोधी व अन्य लोग भी मौके पर आ पहुंचे, जिन्होंने बीच-बचाव किया। पीड़ित ने बताया कि उक्त लोगों ने उसके पुत्र की मोटर साइकिल भी क्षतिग्रस्त कर दी और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3)य व 324 (2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

बाँसी में श्रीराम जन्मोत्सव होगा भव्य

ब्रह्म समाज की बैठक में हुयी चर्चा

ललितपुर। नयी कार्यकारिणी के बारे में विचार करती ब्रह्म समाज।

ललितपुर। बह्म समाज बाँसी की एक बैठक समाज द्वारा संचालित श्रीराम मंदिर में पूर्व सूचनानुसार अध्यक्ष बद्रीप्रसाद दुबे कक्कू की अध्यक्षता में आयोजि की गयी जिसमें पिछली कार्यवाही की पुष्टि के बाद सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किये गये। आगामी 6 अप्रैल को श्रीराम जन्मोत्सव की भव्य तैयारी में प्रभात फेरी, अभिषेक, साज सज्जा, फूलमाला, प्रसादी व्यवस्था हेतु दायित्व व सहयोग तय हुए, कोषाध्यक्ष सुदामा प्रसाद दुबे ने वार्षिकर्षिक आय व्यय प्रस्तुत किया गया। विगत 13 वर्ष से कार्य कर रही प्रबंध समिति के अध्यक्ष बद्रीप्रसाद दुबे कक्कू द्वारा प्रबंध समिति भंग की घोषणा की गई। नयी कार्यकारिणी लिए सर्वसम्मति से तय हुआ कि बांसी में निवासरत ब्राह्मण समाज के प्रत्येक परिवार के मुखिया को सदस्य बनाया जाएगा, इसकी सदस्यता शुल्क 500 रुपये होगी। सदस्यता 30 अप्रैल तक होगी, अगले माह मई नयी कार्यकारिणी का गठन होगा, नयी कार्यकारिणी गठन के उपरांत समाज की महिला एवं युवा समिति का गठन होगा। आखिर में वार्षिक कार्य योजना बनी गयी। बैठक मे संतोष कुमार शर्मा, महेश नारायण गोस्वामी, कुलदीप त्रिपाठी, नरेंद्र त्रिपाठी, शैलेंद्र चौबे, रमाकांत गोस्वामी, राकेश शर्मा, मनोज दुबे, योगानन्द गंगेले, राजकुमार शर्मा, रामप्रकाश पस्तोर, अनिल पस्तोर, रवि बबेले, राहुल दुबे, अखलेश गोस्वामी, सतीश पुरोहित, अम्बिकेश दुबे, कुनाल मिश्रा, नीरज गंगेले, राजा दुबे, प्रिंस दुबे, अरुण गंगेले, शिवम मिश्रा, गोविन्द नारायण दुबे, अभिषेक तिवारी, सत्यम शर्मा, प्रांजल पुरोहित मौजूद रहे। संचालन सुदामा प्रसाद दुबे ने किया।

उद्योग व्यापार मण्डल ने लगाये फूड सेफ्टी अधिकारियों पर अवैध वसूली के आरोप

जिला प्रशासन को जल्द सौंपेंगे ज्ञापन

ललितपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की नगर इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारियों द्वारा नगरक्षेत्र के व्यापारियों के साथ की जा रही है अवैध वसूली पर आक्रोश व्यक्त किया गया। शीघ्र ही उच्च अधिकारियों को ज्ञापन देने का निर्णय लेते हुए कार्यवाही की माँग की गई।

पीड़ित व्यापारियों ने बताया कि अधिकारी सैंपल भरने के नाम पर अवैध वसूली कर रहे हैं जिससे व्यापारी काफी परेशान हैं। बताया कि अधिकारी दलालों के माध्यम से दुकानदारों से उगाही कर रहे हैं, और अवैध धन न देने वाले व्यापारियों का जबरन सैंपल भरकर परेशान किया जा रहा है। वे व्यापारियों की फर्जी शिकायतें करवाकर अवैध वसूली करते हैं और सैंपल देने का दबाव बनाते हैं। व्यापारी नेताओं ने कहा कि वर्ष भर अथवा 6 महीने सैंपल न देने के नाम पर एक मुस्त हजारों रुपयों की वसूली व्यापारियों से वसूल की जा रही है और इसी बीच अगर उस एरिया के खाद्य सुरक्षा अधिकारी का स्थानांतरण दूसरी जगह पर हो जाता है तो नया आने वाला अधिकारी फिर से वर्ष भर अथवा 6 महीने सैंपल न लेने के नाम पर पुनः वसूली का दबाव व्यापारियों के ऊपर डालता है। बताया कि औद्योगिक आस्थान चंदेरा के उद्यमी फूड सेफ्टी विभाग के अधिकारी एवं दलाल लोगों से परेशान है। वहां पर भी अधिकारी अपने दलालों के माध्यम से वसूली कर रहे हैं और वसूली में सहयोग न करने वाले उद्यमियों को परेशान किया जा रहा है। व्यापारी नेताओं ने व्यापारियों को आवाहन करते हुए कहा कि बे बाजारों में इन सैंपल के भ्रष्ट अधिकारियों का सामूहिक रूप से बाजारों में एकता के साथ विरोध करें और संगठन को सूचित करें किसी भी अधिकारी को मनमानी नहीं करने दी जाएगी सैंपल अधिकारियों को बाजार से बाहर का रास्ता दिखाया जावेगा। बैठक में महेश जैन मोनू, पंकज बिरधा, हरीश सिंघई, राजीव पटवारी, धर्मेंद्र जैन, वीरेंद्र जैन, दीपक सोनी, मनीष जैन, सुरेश चंद, स्वदेश गोयल, राजीव चौधरी, नितिन सिंघई, जयनारायण शर्मा, पदम जैन पल्लू, रवि श्रीवास्तव, राकेश जैन, संजय मोदी, दीपक सिंघई, सुनील जैन, अनिमेष जैन, मनी गंगचारी, अवनीश जैन को, पवन जैन, मनोज कामरेड, अंकित जैन, सुमित जैन, अनूप जैन, शैलेंद्र जैन, सौरभ जैन, संजय कुर्मी, हरप्रसाद कुशवाहा, नीलेश जैन, बृजेश जैन, जितेंद्र गोस्वामी, विनोद जैन, राजीव जैन आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

डीजे की धुनों पर निकली शानदार शोभायात्रा

ललितपुर। शहर के मोहल्ला नेहरूनगर स्टेशन क्षेत्र चांदमारी पर स्थित शिव मन्दिर पर भगवान भोलेशंकर का पूजन अर्चन कर हवन किया गया। फिर धूमधाम व गाजे बाजे के साथ डीजे की धुन पर ढोल नगाड़ों के बीच रायकवार, केवट, निषाद समाज के आराध्य देव भगवान श्रीराम के बालसखा महाराज गुहराज निषादराज जयन्ती की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें घोड़े पर सवार श्रद्धालु हाथों में धर्मध्वजा लिये थे। बग्घी पर भगवान के स्वरूप बैठे थे। उन स्वरूपों का जगह जगह तिलक लगाकर, फूलमाला पहनाकर, आरती उतारकर सम्मान किया गया। डीजे की धुनों पर पुरुष, बच्चे, महिलायें नृत्य कर रहे थे। हाथ ठेला पर भगवान की फोटो सजाकर चलाये जा रहे थे। ट्रैक्टर पर भी भगवान की फोटो लगे थे। एक ट्रैक्टर पर नाव रखी हुई थी, जिसमें केवट बैठे थे। यह शोभायात्रा जिला परिषद होते हुये वर्णी चौराहा होकर श्रीरिसाला हनुमान मन्दिर पर जाकर सम्पन्न हुयी। जिसमें बड़ी संख्या में रायकवार केवट निषाद समाज बंधु मौजूद रहे।

टैंकर बिना कैसे होगी जल सप्लाई

अग्निकाण्ड और पेयजल की कमी से परेशान पाली वासी

ललितपुर। कस्बा पाली में नगर पंचायत के पास सही हालात में पानी के टैंकर नहीं हैं। ऐसे में आपदा की हालत में न तो कहीं आग बुझाई जा सकती है और न ही लोगों की प्यास बुझाई जा सकती है।

बताया कि वैसे तो नगर पंचायत में ऐसे छह टैंकर हैं, लेकिन कोई भी टैंकर इस स्थिति में नहीं है कि कभी काम आ सके। सूत्रों का कहना है कि जो टैंकर ठीक-ठाक हैं वह कुछ चहेते ठेकेदार अपने निर्माण कार्य में लगाये रहते हैं। बताया कि जरूरतमंद जब पानी का टैंकर मंगाते हैं तो उन्हें एक निश्चित शुल्क जमा करना पड़ता है जबकि चहेते ठेकेदार इन्हें मुफ्त में उपयोग करते हैं। यही कारण है कि ये अधिक उपयोग से टैंकर जल्द खराब हो गये हैं।

पान बरेजों में अक्सर लग जाती है आग

नगर पंचायत पाली का क्षेत्र पान की खेती के लिये विख्यात हैं। पान के बरेजे घास-फूस लकड़ी से बनते हैं। जिनमें गर्मियों में आग लगने का खतरा हमेशा रहता है। पाली में दमकल केंद्र के लिए वर्ष 2017 में भूमि तो चयनित हो गयी थी लेकिन उसके निर्माण का श्रीगणेश अभी तक नहीं हुआ है। आग लगने पर बचाव के उपाय नाकाफी हैं।

टैंकरों पर नहीं लिखा नगर पंचायत पाली का नाम

पाली वासियों ने बताया कि पीपरी मोहल्ले में सड़क किनारे खते नगर पंचायत के टैंकरों में से किसी पर भी नगर पंचायत पाली नाम नहीं लिखा गया है। ऐसे में उनके दुरुपयोग की सम्भावना लगातार बनी रहती है।

एसपी ने ली किसानों की सुधि

गरमी के सीजन में लगने वाली आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन विभाग का वचाहन कभी देर से पहुँचता है। ऐसे में स्थानीय तौर पर जल्द आग पर काबू पाने के लिये पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक ने थाने व चौकियों में पानी से भरे टैंकर रखवाए जाने के निर्देश दिये हैं। पुलिस अधीक्षक की इस पहल का ग्रामीण व किसान खुले दिल से शुक्रिया अदा कर रहे हैं।

इनका कहना है-

- नगर पंचायत के पास छह टैंकर हैं, जिसमें चार खराब है और दो टैंकरों से पानी लीकेज हो रहा है। छह टैंकरों की और माँग की गयी है। ठेकेदारों द्वारा निर्माण कार्य में इन टैंकरों के उपयोग की बात सामने आयी है। दरअसल उन्हें कुछ ठेकेदार ने ठीक कराया था। टैंकर के किराए की जो निर्धारित राशि नगर पंचायत द्वारा तय है अब उसी के आधार पर टैंकर दिए जाएंगे। - मनीष तिवारी, अध्यक्ष नगर पंचायत पाली ।

cmyk

एसपी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

चित्रकूट। पुलिस अधिकारियो की बैठक लेते एसपी।

चित्रकूट। वक्फ़ संसोधन विधेयक के लोकसभा में पेश होने पर एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता मे पुलिस कार्यालय में पुलिस अधिकारियो के साथ बैठक संपन्न हुई।

एसपी ने निर्देशित किया कि जनता को यह समझाएं कि यह लड़ाई विधायिका में लड़ी जाय या फिर न्यायपालिका में यह लड़ाई कार्यपालिका के क्षेत्राधिकार से बाहर है। लोगो को यह भी सचेत कर दें कि यदि कोई इस लड़ाई को सड़को पर लड़ना चाहेगा या कानून व्यवस्था के लिए चुनौती उत्पन्न करेगा तो उससे सख्ती से निपटा जाएगा। अपने-अपने क्षेत्र के ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उन पर सतर्क दृष्टि रखे। सभी प्रकार की छुट्टिया निरस्त कर दी गयी है। सभी कर्मचारियों के नाइट आउट पास निरस्त किये जाते है। पूरी जनशक्ति फील्ड में बैरिकों में मौजूद रहेगी ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल मौजूद हो सके। पुलिस अधीक्षक ने सभी गाड़ियों में मौजूद लाउडहेलर, रस्सा, टार्च के साथ साथ हेलमेट, डण्डा, बॉडी प्रोटेक्टर, एण्टी राइटगन, टीयर गैस गन एवं टीयर गैस सेल आदि की चेकिंग की।

इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर राज कमल, क्षेत्राधिकारी राजापुर जय करन सिंह, क्षेत्राधिकारी मऊ यामीन अहमद, क्षेत्राधिकारी प्रज्ञान अजेय कुमार शर्मा, वाचक पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार सिंह, पीआरओ प्रवीण कुमार सिंह उपस्थित रहे।

प्रोफेसर नाथन कॉन्गडन ने जानकीकुण्ड का किया दौरा

चित्रकूट। प्रो0 नाथन कॉन्गडन का स्वागत करते निदेषक डा0 बीके जैन

चित्रकूट। श्रीसदगुरू नेत्र चिकित्सालय का नेत्र चिकित्सा प्रोफेसर नाथन कॉन्गडन ने दौरा किया।

दौर पर आए प्रो.नाथन का सदगुरू नेत्र चिकित्सालय के डायरेक्टर डॉ बीके जैन एवं नेत्र चिकित्सालय के सीईओ डॉ इलेश जैन ने स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। भ्रमण पर प्रो. नाथन ने चिकित्सालय प्रबंधन और नेत्र चिकित्सकों के साथ मिलकर नेत्र स्वास्थ्य शोध में संभावित सहयोगी साझेदारी पर चर्चा की। नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपने अभूतपूर्व योगदान के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध हैं उन्होंने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। प्रोफेसर कॉन्गडन ने 360 से अधिक पीयर-रिव्यू किए गए लेख प्रकाशित किए हैं, जो इकोनॉमिस्ट, वॉल स्ट्रीट जर्नल और अन्य प्रमुख पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। उनकी विशेषज्ञता ने न केवल वैश्विक स्तर पर नेत्र देखभाल को उन्नत किया है। बल्कि उन्होंने निवारक नेत्र चिकित्सा में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है।

बढती भीषण गर्मी के चलते बच्चों को दी गयी जानकारियाँ

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर के मुहल्ला गाँधीगंज स्थित बी. एस. एम. स्कूल में एमडी सौरभ भार्गव सहित समस्त टीचर्स एवं बच्चों ने माँ सरस्वती एवं गायत्री माता के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। जिसमें एमडी सौरभ भार्गव ने बच्चों को बढती भीषण गर्मी के बारे में बताया कि अप्रैल का महीना चल रहा है। और सूरज अपनी प्रखर किरणों का तीव्रता से संसार के जलियांश को सूखाकर वायु में रुखापन और ताप बढाकर मनुष्यों के शरीर में ताप की वृद्धि करता है। जिसके कारण गर्मी में लापरवाही के चलते शरीर में निर्जलीकरण , लू लगना, चक्कर आना, घबराहट होना, उल्टी दस्त, घमोरियां, त्वचा रोग आदि अनेक समस्यायें पैदा हो जाती है। जिनके उपाय के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि नगें पैर व नगे सिर बाहर न निकले , स्वच्छ पानी का अत्यधिक उपयोग करें, तेलीय एवं मसालेदार भोजन न करे, गर्मियों में जितना हो ऐसी चीजों एवं फलों का प्रयोग करें। जिसमें जल की मात्रा अधिक हो। प्याज का सेवन, विटामिन ए व सी संयुक्त चीजों का सेवन, नीबू, पुदीना, जलजीरा, कच्चे आम का सेवन, सूती और ढीले कपडों के प्रयोग के साथ-साथ योग अवश्य करें। इस मौके पर कार्यक्रम में डायरेक्टर प्रीति मिस, उर्मिला मिस, प्रिन्सी मिस, सुरेन्द्र कुशवाहा, धनकू देवी एवं स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

समाधान दिवस का होगा आयोजन

चित्रकूट। सचिव चित्रकूट विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद ने बताया कि मानचित्र समाधान दिवस का आयोजन गुरूवार अपरान्ह 1 बजे से 5 बजे तक प्राधिकरण कार्यालय में किया जायेगा।

पुलिस ने की चेकिंग

चित्रकूट। थाना क्षेत्रान्तर्गत आने वाले बैंको की चेकिंग की गयी। चेकिंग के दौरान बैंक सुरक्षा रजिस्टर को चेक कर ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को निर्देश दिये। बैंक में लगे अलार्म, सीसीटीवी कैमरों का निरीक्षण कर चेक किया। शाखा प्रबंधकों से सुरक्षा सम्बन्धी वार्ता की गयी।

मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

गुरसरांय। कंपोजिट विद्यालय राजापुर में खंड शिक्षा अधिकारी के निर्देशन में विद्यालय एसएमसी प्रशिक्षण एवं वार्षिक परीक्षा में छात्र-छात्राओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान अपने वाले छात्र-छात्राओं को खंड शिक्षा अधिकारी मनोज लाक्षाकार द्वारा सील एवं प्रमाण पत्र देकर पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया गया। इस मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र पाल एवं विद्यालय के अध्यापक मोहनलाल देवेंद्र कुमार अरविंद कुमार सुधीर कुमार उपस्थित रहे ।अंत में आभार कुंज बिहारी शर्मा प्रधानाध्यापक द्वारा सभी अभिभावकों एवं एसएमसी अध्यक्ष का कियागया।

रेलवे स्टेशन के गेट पर लगा रहता टैक्सियों एवं ई रिक्शों का जमावडा

मऊरानीपुर (झाँसी) मऊरानीपुर रेलवे स्टेशन गेट पर टैक्सियों एवं ई रिक्शों ने पूरी तरह से कब्जा जमा लिया है। जिनकी वजह से रेलवे स्टेशन में प्रवेश मुश्किल हो रहा है। ट्रेन के आने के समय यह स्थिति और भी ज्यादा खास खराब बन जाती है। झाँसी खजुराहों मुख्य मार्ग पर बने रेलवे स्टेशन पर सुबह से रात्रि तक भारी जमावडा बना रहता है। जिसकी वजह से झाँसी खजुराहों मार्ग पर आवागमन वाधित होता है ट्रैक्सियो एवं ई रिक्शों की वजह से स्टेशन के बाहर घण्टों जाम की स्थिति रहती है। टैक्सियों एवं ई रिक्शों का यह जमावडा केवल ट्रेन से उतरी हुई सवारियों को बिठाने के चक्कर में होता है। इस कदर से बेतरतीव ढंग से गेट को बन्द किये टैक्सी एवं ई रिक्शों वाले खडे रहते है। कि कभी भी कोई बडी दुर्घटना सम्भावित हो सकती है। रेलवे प्रशासन ने जब से स्टेशन परिसर में टैक्सियों एवं ई रिक्शों का प्रवेश बन्द करवाया है। तभी से स्थिति बेहद खराब हो गयी है।

नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों ने वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर पथ संचलन किया

चिरगांव (झांसी)। चिरगांव नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवकों द्वारा वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर पथ संचलन का आयोजन किया गया।जिसमें सभी स्वयं सेवक पूर्ण गणवेश में रामराजा विवाह घर चिरगांव में एकत्रित हुए वहीं से पथ संचलन आरंभ हुआ पथ संचलन में सबसे आगे ध्वज रक्षा मंडल ध्वज वाहक एवं उनके पीछे स्वयंसेवकों का प्रथम समूह मध्य में घोष दल इसके पीछे द्वितीय समूह इसके उपरांत पूज्य डॉक्टर हेडगेवार एवं परम पूज्य गुरु जी का चित्र लगा हुआ वाहन चल रहा था पथ संचलन का मुख्य आकर्षण घोष दल एवं डॉक्टर साहब व गुरुजी का चित्र लगा वाहन रहा।संचलन रामनगर तिराहे से होता हुआ सब्जी मंडी जैन मंदिर बजरिया मोहल्ला मातनपुरा अंबेडकर चौराहा पहलापुरा पहाड़ी चुंगी होते हुए विद्या मंदिर स्कूल में समापन हुआ।

पथ संचलन के दौरान नगरवासियों द्वारा जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का अभिवादन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शशिकांत जी सह विभाग कार्यवाह उपस्थित रहे। मुख्य वक्ता ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समाज में समरसता का वातावरण पैदा कर रहा है संघ का लक्ष्य देश को परम वैभव के शिखर तक ले जाना है कार्यक्रम में मुख्य शिक्षक के रूप में राजेंद्र अग्रवाल रहे अतिथि परिचय संजीव कांत ने कराया।कार्यक्रम की अध्यक्षता जगदीश प्रसाद राणा लोकतंत्र सेनानी ने की ।कार्यक्रम में आनंद झां प्रधानाचार्य विद्या मंदिर, संतोष जी प्रधानाचार्य शिशु मंदिर,विनोद मिश्रा जी,दिलीप शिवहरे हेमंत गुप्ता,करुणेश वाजपेई अक्षय महाराज जमुना सैनी अनुज सरवंरिया सलिल मधुसूदन शिवहरे,जगदीश कुशवाहा,रमाकांत नीखरा प्रबंधक विद्या मंदिर,विकास सोनी अरविंद बाबूलाल कुशवाहा हरिश्चंद्र जी कैलाश नीखरा देवीदास साहू,लखन सिंह पुरूषोत्तम,रमाकांत मिश्रा,सत्यम गुप्ता,संस्कार गुप्ता,दीपांशु योगी, कृष्ण शर्मा,सलिल जैन, सचिन राना आदि स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर में गायत्री हवन के साथ नए सत्र का प्रारंभ

चिरगांव (झांसी)। श्री गणेश शंकर विद्यार्थी सरस्वती शिशु मंदिर चिरगांव में नए सत्र के प्रारंभ पर गायत्री हवन से किया गया। हरिराम परिवर्चक गायत्री परिवार द्वारा हवन संपन्न कराया गया। जिसमें विद्यालय के अध्यक्ष सुरेश चंद्र चौधरी, प्रबंधक देवीदास साहू, कैलाश नारायण नीखरा, संतोष प्रधानाचार्य सहित सभी आचार्य, आचार्या ने भाग लिया। हवन के साथ मां सरस्वती, मां गायत्री से अच्छी शिक्षा के लिए प्रार्थना की गई। विद्यालय के सभी भैया बहनों ने शाकिल्या डाल कर,आहुति देकर हवन किया।अंत में प्रसाद वितरण किया गया।

नवीन सत्र के शुभारंभ पर हुआ विद्यालय में हुआ हवन पूजन

चिरगांव (झांसी)। स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज चिरगांव में आज नवीन शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के अवसर पर मां सरस्वती का पूजन हवन किया गया।उक्त हवन को गायत्री परिवार के आचार्य श्री घनश्याम जी द्वारा संपन्न कराया गया।हवन में प्रमुख यजमान के रूप में विद्यालय के प्रधानाचार्य आनंद झां सपत्नी सम्मिलित हुए उक्त हवन में विद्यालय के प्रबंधक रमाकांत नीखरा अध्यक्ष कृष्ण बिहारी नगरिया उपाध्यक्ष महेश खन्ताल कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र बृजपुरिया उपस्थित रहे एवं सभी ने हवन पूजन कार्यक्रम में भाग लिया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी हवन में अपनी आहुतियां प्रदान की।

बच्चों ने रैली निकालकर स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की

गुरसरांय। पी, एम, श्री कम्पोजिट विद्यालय बंकापहाड़ी ब्लॉक- गुरसरांय में। स्कूल चलो अभियान। का शुभारंभ ग्राम-प्रधान राम स्वरूप घोष ने हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमें एस एम सी अध्यक्ष दीपक शिवहरे, प्रधानाचार्य साजेन्द्र त्रिपाठी, यशपाल सिंह,, सूरत सिंह,अशोक राजपूत, मानवेन्द्र राजपूत, देवेन्द्र राजपूत, अमित कुमार, सुरेन्द्र कुमार, कामिनी खरे, किरन खरे, आदि शिक्षकों के साथ बच्चे हाथ में स्कूल चलो अभियान की तख्तियां लिए चल रहे थे, तथा गगन चुम्मी नारे लगा रहे थे। घर-घर विद्या दीप जलाओ। अपने बच्चे सभी पढ़ाओ। पढ़ी लिखी लड़की, रोशनी घर की। एक भी बच्चा छूटा, संकल्प हमारा टूटा। लड़का-लड़की एक समान। सबको शिक्षा, सबको ज्ञान। सम्पूर्ण ग्राम में स्कूल की रैली निकालकर नवीन प्रवेश के लिए अभिभावकों को प्रेरित किया। जिससे शासन की मंशा नुसार नवीन सत्र 2025-26 में नवीन छात्रों को प्रवेश दिया जा सके। अन्त में प्रधानाध्यापक साजेन्द्र त्रिपाठी ने सभी उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों का आभार प्रकट किया।

बृद्धाश्रम मडोरी में हिन्दू नव वर्ष धूमधाम से मनाया

गुरसरांय। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के तत्वाधान में गुड़ी पड़वा हिंदू नव वर्ष लोक परंपरा के अनुरूप मनाया गया.

आश्रम प्रांगण में रंगोली का निर्माण किया गया. हरे बांस पर बिधिवत दीपक जलाकर गुड़ी को बांधा गया. माँ सरस्वती का पूजन कर जयकारे लगाए गए.

तिलक लगाकर एक दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनायें दी.

समिति अध्यक्ष मुन्नालाल दों देरिया ने अपने उदवोधन में कहा कि पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी ने आज के दिन ही सृष्टि की रचना की थी. अखंड ब्रम्हांड का निर्माण कर सूर्य को प्रकाशफैलाने का आदेश किया था. भारत में गुड़ी पड़वा महाराष्ट्, आंध्र, कर्नाटक और गोवा में मुख्य रूप से मनाया जाता है.

इसे शिवाजी की विजय से जोड़ा जाता है.

आश्रम के बुजुर्गो को समुचित फल एवं मिष्ठान का वितरण किया गया. इस अवसर पर डॉ जैतराम अग्रवाल, रामकुमार राजोरिया, दिनेश त्रिपाठी, संतोष तिवारी, बृजलाल विश्वकर्मा. राधा कृष्ण व्यास, रविंद्र चतुर्वेदी एवं अतुल चिरवरिया आदि उपस्थित रहे. आश्रम संचालक जितेंद्र व्यास का विशेष सहयोग रहा.

कवि ने किया पत्रकारों का जोरदार अभिनन्दन

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर में पत्रकारों के चौथे स्तम्भ को देखते हुये एक कवि ने अपनी कविता से नगर के मुहल्ला गाँधीगंज में पत्रकारों का जोरदार अभिनन्दन किया। कवि बेघडक प्यारेलाल ने अपनी कविता से लोगों का मनमुग्ध कर दिया। जिसमें कवि बेधडक प्यारेलाल द्वारा एक कविता नगर के पत्रकारों एवं उनके समाचार पत्रों एवं पोर्टलों पर सुनायी गयी। जो पत्रकारों की लेखनी को काफी ताकत बताया। इनकी कविता में इन्होनें अभिनन्दन के माध्यम से पत्रकारों का अभिनन्दन किया। जो इस तरह है कि न्यायाधीश स्वदेश सहारा, आज भास्कर अभिनन्दन है। राष्ट्रबोध साहित्य पत्रकारो, जनसेवा मेल अभिनन्दन है। बुन्देलखण्ड बुलेटिन बोली, जन जन जागरण कर आओ। जनता यूनियन दैनिक दर्शन पोस्ट , दैनिक जागरण कर आओ। वाईस ऑफ लखनऊ, नईदुनिया करती टीका चन्दन है। न्यायधीश स्वदेश सहारा, आज भास्कर वन्दन है। राष्ट्रबोध साहित्य पत्रकारो, जनसेवा मेल अभिनन्दन है। मासिक पत्रिका न्यूज बी. के.,बी.के. न्यूज, दैनिक पत्र सी. न्यूज चैनल। समय जगत जनहित दर्शन को, जनहित पर प्रतिबन्धन है। न्यायाधीश देश सहारा, आज भास्कर अभिनन्दन है। राष्ट्रबोध साहित्य पत्रकारो, जनसेवा मेल अभिनन्दन है। अरविन्द्र विन्दु जैन हमारे, सोनू, महेन्द्र सिंह परिहार। कल्याण सिंह, सन्तोष श्रीवास, रवि रठा, रवि परिहार। चौथे स्तम्भ है सौरभ भार्गव, महेश आर्य स्पन्दन है। न्यायाधीश स्वदेश सहारा, आज भास्कर अभिनन्दन है। राष्ट्रबोध साहित्य पत्रकारो, जनसेवा मेल अभिनन्दन है। राजू राय , मदन लाल वर्मा, देवेन्द्र कुमार चतुर्वेदी। जीत, संजीव, प्रमोद सिंह, सुधीर, देवेन्द्र, प्रमोद कुमार चतुर्वेदी। बेधडक प्यारे दिलीप ,व्यास का, हाथ जोड अभिनन्दन है। न्यायाधीश स्वदेश सहारा, आज भास्कर वन्दन है। राष्ट्रबोध साहित्य पत्रकारो, जनसेवा मेल अभिनन्दन है।

नलों से आ रहा गन्दगी युक्त जल, जल विभाग के अफसर बने उदासीन

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर में गन्दगी युक्त पानी का जोरदार अम्बार देखने को मिल रहा है। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड रहा है। यह स्थिति काफी दिनों से देखने को मिल रही है। जिस पर स्थानीय जल विभाग के आला अफसरों के साथ कर्मचारी देखना ही ही नही चाह रहे है। सभी के सभी उदासीन स्थिति में बने हुये है। आलम तो तब देखा जा रहा है। कि वर्तमान में नगर के प्रत्येक वार्डो में ये स्थिति अमल में देखी जा रही है। जिससे नगर मऊरानीपुर के लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। लेकिन इसके बाद भी जल विभाग उदासीनता महसूस करते हुये देखा जा रहा है। जबकि इस प्रकार की समस्या का तत्काल निस्तारण होना चाहिये। और लोगों को स्वच्छ जल दिया जाना चाहिये। नलों से गन्दगी का अम्बार बरस रहा है। लोगों के सामने पीने के लिये पानी भी स्वच्छ नही मिल पा रहा है। आखिर में नगर मऊरानीपुर के लोग जाये तो जाये कहाँ। जल विभाग के अफसर मौज मनाने में लगे हुये है। जो अपने विभाग को मनमर्जी युक्त चलाते हुये देखे जा रहे है। जिससे लोगों को गन्दगी युक्त पानी पीकर बीमारियों को बुलावा देना पड रहा है। बता दे कि लगातार हो रही दैवीय आपदाओं पर गहरी चिन्ता बनी हुयी है कि आपदायें खुद नही आ रही है। बल्कि उनको बुलाने में कही न कही से हर आम आदमी जुडा है। जो सब कुछ अनदेखी कर अपने स्वार्थो के लिये प्रकृति से जिस तरह बलात्कार कर रहा है। उनमें पहाडों ,जंगलों का सफाया होते जाना प्रकृति का सन्तुलन दबे पाँव बिगडता जाता है। और अचानक गम्भीर दैवीय आपदायें सामने आ रही है। दैवीय आपदा का एक हिस्सा नगर के नाला नालियों का पानी भी है। जो नदी में जाकर मिलने से जल को दूषित करता है। साथ ही जलजीवों के लिये ही नही बल्कि आम आदमी के लिये प्राण घातक बनता जा रहा है। इसी के प्रकोप के चलते नदियाँ भी उदासीनता महसूस करने लगती है। सबसे बडी समस्या बतौर हैण्डपम्पों के पानी एवं सरकारी नलों से गन्दे पानी का उदाहरण है। इस प्रकार की समस्या का शीघ्र से शीघ्र निस्तारण कराने के लिये जल विभाग के उच्चाधिकारियों का नगरवासियों के द्वारा ध्यान आकृष्ट कराया गया है।

सात अप्रैल तक झाँसी नगरीय क्षेत्र में जलापूर्ति सुचारू करने के निर्देश : अविनाश कुमार

- 613 ग्रामों में लगभग 1658 किमी सड़क क्षतिग्रस्त के सापेक्ष 1540 किमी सड़क हुई रीस्टोर, शेष 118 किमी सड़क अवशेष, जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश
- डीएम ने एजेंसियों की लचर कार्य प्रणाली पर की नाराजगी व्यक्त, लगाई फटकार

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी अविनाश कुमार नेविकास भवन सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुये अधिकारियों एवं एजेंसियों के प्रतिनिधियों को संवेदनशीलता केसाथ भीषण गर्मी के दृष्टिगत क्षेत्र में पेयजल की उपलब्धता शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने के प्रयासों में तेजी लाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन दस नग ग्राम समूह पेयजल योजना की समीक्षा करते हुए प्रभावित ग्रामों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। 16 ग्रामों में 25 अप्रैल तक जलापूर्ति करने के निर्देश

बैठक में जिलाधिकारी ने रेट्रोफिटिंग/पुनर्गठन एवं नई योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करतेहुए सीएस इंटरप्राइजेज़ को 16 ग्रामों में 25 अप्रैल तक जलापूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गर्मी के दृष्टिगत नगरीय अथवा ग्रामीण क्षेत्र में जहां जहां एजेंसी द्वारा पाइपलाइन प्रा पहुंच गई है वहाँ पानी पहुँचाया जाना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा झाँसी नगर मेंसात अप्रैल तक पानी चालू करने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि इसके साथ ही लगातार टेस्टिंग भी की जाए ताकि समस्या आने पर उसे तत्काल ठीक किया जा सके।

पाइप लाइन डालने हेतु खोदी/ काटी गई सड़कों की ली गई जानकारियाँ

जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन पेयजल योजना की समीक्षा करते हुए पाइप लाइन डालने हेतु खोदी/काटी गई सड़कों की जानकारी ली, उन्होंने जहाँ जल जीवन मिशन के अंतर्गत क्षतिग्रस्त सड़कों को कार्यदायी संस्थाओं द्वारा ठीक किया गया उनके सत्यापन की जानकारी लेते हुए रिपोर्ट जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित कार्यदाई संस्था को गाँवों में जल्द से जल्द घर-घर संयोजन के माध्यम से जल वितरण करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

झांसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेस-2 की गई समीक्षा

जिलाधिकारी ने बैठक में अधिशाषी अभियंता निर्माण खंड उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा झांसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेस-2 की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सात अप्रैल तक नगरीय क्षेत्र मेंपानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इसके अतिरिक्त वितरण के दौरान समस्या आनेपर उसे तत्काल प्रभाव से ठीक करते हुए आपूर्ति सुचारू करने के निर्देश दिए। बैठक में जिलाधिकारी ने पारीछा बाँध, बढ़वार झील, माताटीला बाँध, सपरार बाँध, एरच बांध, लहचुरा बांध एंव पहाड़ी बाँध में आरक्षित पानी की उपलब्धता की जानकारी ली। इसके अतिरिक्त विभिन्न योजनाओं में प्रतिदिन उपलब्ध पानी की भी जानकारी ली।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे योगेन्द्र कुमार, डीडीओ सुनील कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम रणविजय सिंह, अधिशासी अभियन्ता बेतवा योगेश कुमार सहित सभी कार्यदाई संस्थाएं व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

चैत्र नवरात्र में कन्या पूजन कर की माँ की आराधना, भजन संध्या का आयोजन, किया भंडारा

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश महिला व्यापार मंडल महानगर शाखा के तत्वाधान में लक्ष्मी मंदिर, निकट काली मंदिर पर आज नवरात्रि के अवसर पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दर्जनों कन्या का पूजन, आरती एवं उपहार में पूजन सामग्री, वर्तन, खाद्य सामग्री, पर्स, अभी देकर माँ देवी स्वरूपी कन्याओं से जन कल्याण की कामना की ।

इस कार्यक्रम का मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी जी ने कहा कि कन्याओं की पूजन एवं उपासना का मतलब यह है की साक्षात् देवी की पूजा करना है, इस तरह की आयोजन से बेटी बचाओ बेटी का सम्मान कराओ का संदेश भी प्रचारित होता है, अध्यक्षता कर रही संगठन की महानगर अध्यक्ष माला मेहरोत्रा मैं कहा कि इस तरह के आयोजन से देवी स्वरूपी कन्याओं का हम सबको आशीर्वाद प्राप्त होता है, एवं महिलाओं और कन्याओं के प्रति लोगों का आदर व सम्मान भी बड़ता है ।

कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा मंदिर पर भजन संध्या का एवं भंडारा का भी आयोजन किया गया, कार्यक्रम में प्रमुख रूप से संजना पटवारी, रश्मि राय, कीर्ति सक्सेना, रेखा श्रीवास, दीपा श्रीवास्तव, अंजू सिंह, मधु सिंह, सीमा वर्मा, मेघा तिवारी, दीपमाला चौबे, नीता श्रीवास, प्रियंका गोस्वामी, शोभा निगम, संगीता सेन, रामेंद्र पाल, लक्ष्मी देवी, मया, यशोदा,लक्ष्मी आदि उपस्थित रहीं। संचालन प्रेमलता सेन एवं आभार रितु पांडे ने व्यक्त किया।

आदिशक्ति माता चंद्रघंटा के स्वरूप की महिला भक्तों ने की पूजा अर्चना

झांसी जयूसं। चैत्र की नवरात्रि को तृतीय दिवस पर जगत जननी माता आदि शक्ति माता चंद्रघंटा के स्वरूप पूजा चना महिला भजन महिला भक्तगणों श्रद्धा भक्ति भाव के साथ-साथ पूजा अर्चना की आरती उतरी विश्व शांति मानव कल्याण पशु पंछी गौ माता की रक्षा की आदिशक्ति देवी माता चंद्रघंटा से प्रार्थना कामना की गई इस दौरान बाल कन्या भक्तों ने भी पहुंच कर देवी के रूप में दर्शन दिए और प्रसाद का वाचन किया गया जो की भगत गणों सिद्ध भक्ति के साथ आदिशक्ति माता रानी का प्रसाद ग्रहण किया।

इस मौके पर श्री सिद्ध शक्तिपीठ श्री शिव शंकर श्री गणेश हनुमान जी महाराज सिद्ध पीठ खाती बाबा महाराज प्राचीन मंदिर के पुजारी और महंत हरिश्चंद्र योगीराज ने सभी भक्तों को आशीर्वाद दिया। धार्मिक आयोजन में भक्ति गानों ने सिद्ध पीठ पर मत्था टेक कर सभी की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर जितेंद्र कश्यप, प्रेमचंद रैकवार, नीलम रैकवार, उर्मिला रैकवार आसाराम कश्यप, समर कश्यप, भूमेश कश्यप गौरी कश्यप, पंकज ,अनिल शर्मा, रामकिशन नेता, दिनेश कश्यप, धीरज पूर्व पार्षद, कामेश अहिरवार पार्षद, संजय राजपूत पूर्व पार्षद, प्रदीप कश्यप,बेताली यादव, गायत्री कश्यप, मोहिनी कश्यप, दीपावली कश्यप, दिनेश गुप्ता, किशन कश्यप, आशु शर्मा, दीपक ठाकुर, कमलेश प्रजापति, शिवा कश्यप, सतीश यादव, नेहा कश्यप, सत्येंद्र ठाकुर, सोनू शर्मा, मोनू शर्मा, राधा शर्मा, संजू बेलगैया, गौरी कश्यप, राहुल गुप्ता, मनीष यादव , पवन यादव , दीपक यादव खाती बाबा आदि मोजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

गर्मी आते ही ग्राम रक्सा में शुरू हुई पेयजल की समस्या

झाँसीजयूसं/रक्सा। गर्मी आ चुकी है और इसी के साथ रक्सा में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पेयजल की समस्या भी उत्पन्न हो चुकी है। जल संस्थान द्वारा सुबह मात्र एक घंटे के लिए नल से पानी दिया जाता है और नल का पानी भी मैला आना शुरू हो गया है। नल का पानी पीने लायक नहीं है पानी काफी गंदा एवं बदबूदार आ रहा है जिसे अगर लोग पियेंगे तो बीमार पढ़ना सुनिश्चित है। नल का पानी पीना तो दूर उससे नहाया भी नहीं जा सकता। जानवर के पीने लायक तक पानी नहीं आ रहा नल से पानी इतना गंदा व बदबूदार है।

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जनता को साफ पानी देने के लिए जल संस्थान द्वारा कोई योजना नहीं बनाई गई। ना ही रक्सा ग्राम पंचायत द्वारा लोगों को शुद्ध पेयजल दिए जाने की व्यवस्था की गई। अभी यह हालत है तो मई जून में क्या होगा इसका जवाब तो अधिकारी या ग्राम प्रधान ही दे सकते हैं। पानी की विकराल समस्या से हर वर्ष ग्रामवासी झूझते है लेकिन समाधान अभी तक ना तो अधिकारी निकाल सके ना ही ग्राम प्रधान रक्सा। दैनिक दिनचर्या के लिए 5 रुपए प्रति डिब्बे एवं पीने का पानी 20 रूपये प्रति कैम्पर के हिसाब से ग्रामवासी पानी खरीदने को मजबूर है। यह मजबूत एवं आत्मनिर्भर भारत के 30000 से अधिक आबादी वाले गांव की हालत को दर्शाता है। प्रधान सिर्फ पद पर बैठे है उनको अपने गांव की कोई परवाह नहीं।

गैर इरादतन हत्या का आरोप सिद्ध, आरोपी को सात साल का कारावास

शराब पीने को लेकर हुए विवाद के चलते होटल के कर्मचारी ने कर दी थी साथी की हत्या

झांसी जयूसं। न्यायालय अपर सत्र न्यायधीश कक्ष संख्या एक शक्तिपुत्र तोमर की अदालत ने गैर इरादतन हत्या का आरोप सिद्ध होने पर अभियुक्त को सात साल का कारावास और पांच हजार रुपए के अर्थदंड से दंडित किया है।

शासकीय अधिवक्ता तेजसिंह गौर ने बताया कि राज बहादुर सिंह ने 15 मई 2018 को पूंछ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उसका पुत्र धर्मेंद्र उर्फ पीकू झांसी कानपुर राजमार्ग स्थित ? सांई नाथ होटल पर कार्य करता था। उसने बताया कि होटल मालिक अबधेश यादव, मुकेश यादव उसके पुत्र की मेहनत का डेढ़ वर्ष से एक लाख अस्सी हजार रुपए नहीं दे रहे थे। इसकी जानकारी उसके पुत्र धर्मेंद्र ने उसे फोन करके बताई थी कि उनके होटल मालिक होटल पर अवैध काम करवाते हैं और उसकी तनख्वाह नहीं दे रहे, उसके साथ मारपीट उत्पीड़न कर रहे।

वह इनके काम नहीं करेगा क्योंकि उसे जान का खतरा है। राजबहादुर ने बताया कि अगले दिन सूचना मिली कि उसके पुत्र धर्मेंद्र की हत्या हो गई। राजबहादुर ने बताया कि उसके पुत्र की हत्या होटल मालिक अबधेश, मुकेश ने कर्मचारियों के साथ मिलकर की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करते हुए विवेचना की। इस दौरान पुलिस को साक्ष्य मिले कि होटल पर काम करने वाले कर्मचारी रज्जन का धर्मेंद्र से घटना वाली रात शराब के नशे में विवाद हुआ था और रज्जन ने उसकी मारपीट कर दी थी। जिससे गंभीर चोट आने पर धर्मेंद्र की उपचार के दौरान मौत हो गई थी। अन्य दो आरोपी अवधेश ओर मुकेश जांच में निर्दोष साबित हुए। पुलिस ने रज्जन के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया था। इस मामले में सुनवाई करते हुए न्यायलय ने आरोपी रज्जन पर आरोप सिद्ध होने पर उसे सात वर्ष का कारावास ओर पांच हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया है।

दलित को पीटा, आरोप सिद्ध होने पर नेक चलनी की सजा

झांसी जयूसं। विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी अत्याचार निवारण धीरेंद्र कुमार तृतीय की अदालत ने 24 साल चले एक मुकदमे में दलित को पीटने का आरोप सिद्ध होने पर नेक चलनी की सजा सुनाई है।

शासकीय अधिवक्ता केशवेंद्र प्रताप सिंह, कपिल करोलिया ने बताया कि मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बुखारा निवासी हल्के ने मऊरानीपुर थाने में 18 अक्टूबर 1995 में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि उसके गांव में रहने वाला दबंग चंद्रभान सिंह ने उस पर यह आरोप लगाया था कि हल्के अपने जानवर जान बूझ कर उसके खेतों में घुसेड़ कर उसकी फसल खराब करवाता है। जब इसका हल्के ने विरोध किया तो चंद्रभान ने उसकी मारपीट कर दी। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे जेल भेजते हुए आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिया था। आज न्यायालय ने आरोप सिद्ध होने पर चंद्रभान को नेक चलनी/6 माह की परिवीक्षा अवधि की सजा सुनाई है।

गणगौर पूजा का आयोजन, महिलाओं ने विधि-विधान से की पूजा

झाँसी जयूसं। जे. सी. आई. झांसी उड़ान द्वारा गणगौर पूजा का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें संगठन की सभी महिला सदस्यों ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। इस आयोजन के दौरान महिलाओं ने पारंपरिक परिधान में श्रृंगार कर श्रद्धा और उत्साह के साथ माँ गौरी की पूजा की। संस्था की श्रीमती दीप्ति गुप्ता ने कहा, च्गणगौर पूजा नारी शक्ति और सुहागिनों के सौभाग्य का प्रतीक है। यह पर्व हमें प्रेम, समर्पण और शक्ति का संदेश देता है। उन्होंने सभी महिलाओं को एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर रेनु गौर, दीप्ति गुप्ता, शिखा अग्रवाल, मीना पुरवार, निधि अग्रवाल, हेमा साहू, अर्चना गुप्ता, उज्जवला, स्नेहलता, जुही गुप्ता, प्राची गुप्ता सहित कई महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान भजन-कीर्तन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने भी सभी को भाव-विभोर कर दिया। अंत में सभी महिलाओं ने माँ गौरी से सुख, समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए पूजा संपन्न की।

अहिंसा के जयघोष करती दीनदयाल नगर जैन मंदिर से निकली प्रभात फेरी

झांसी जयूसं। भगवान महावीर 2551वें निर्वाण महामहोत्सव वर्ष के अंतर्गत प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ जयंती से भगवान महावीर जयंती तक निकलने वाली प्रभात फेरी की श्रृंखला में आज प्रभात फेरी दीनदयाल नगर स्थित श्री दिगंबर जैन पार्श्व मंदिर जी से प्रातः काल की बेला में आरंभ हुई। इस अवसर पर मंदिर जी अध्यक्ष एंजी एम के जैन व एंजी अरविंद कुमार जैन ने धर्मध्वजा फहराकर प्रभात फेरी का शुभारंभ किया।

प्रभातफेरी एंजी निर्मल जैन व प्रवीण जैन -इटावा के नेतृत्व में निकाली गई। इस अवसर पर नगर के सभी मंदिरों के श्रावक श्राविकाओं ने बड़ी संख्या में बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। सभी साधर्मी धर्मध्वजायें, अहिंसा के संदेशों की तख्तियां लेकर अहिंसा के जयघोष करते हुए भारत माता मंदिर से नंदनपुरा तिराहा, आवास विकास चौराहे से होती हुई वापिस जैन मंदिर पर प्रभात फेरी समाप्त हुई। इस अवसर पर ऋषभ कुमार जैन, राजीव जैन, कैलाश जैन, विमल जैन, एल सी जैन, प्रदीप जैन, अनिल जैन, एंजी ए के जैन -रेलवे,चंद्रप्रकाश जैन, सौरभ जैन, नितिन जैन -मुनमुन, राजू जैन, राजेश कुमार जैन एंजी. प्रवीण जैन -उरई, देवेंद्र मगरपुर, आनंद ड्योढिया, रवि जैन बिजौली, अभिषेक जैन डेयरी, खुशहाल जैन, मुकेश , मनोज अछरौनी अरुण जैन सिर्स, सौरभ , ऋषि पड़रा,जितेंद्र शैलजीत, डॉ. अनिल जैन, नीलेश, कमलेश कामरेड, रविंद्र ड्योढिया, पवन सुनारी, जितेंद्र, सुगन जैन, शशांक जैन , प्रभात कुंजबिहार, राहुल, धर्मेंद्र , विशाल जैन, रवि सतभैया, संजीव मिनी, अशोक बक्सा, अशोक नगरा, आशीष , नवनीत बॉबी, सुनील गुदड़ी, अवधेश जैन, , मनोज पिंटू, विपुल, श्रीमती सोमप्रभा जैन, कल्पना जैन, सीमा जैन, नम्रता जैन, आरती जैन, महिमा जैन, राखी जैन -केंद्रीय विद्य., साधना जैन, आशा जैन, अनीता जैन नवनीता, मणि जैन, अरुणा जैन -ललितपुर, प्रियंका प्रमोद , वंदना विनय चौधरी, सबिता महेंद्र , सुलेखा, अर्चना विशाल, पूनम, आदि उपस्थित रहे।

श्री मुनिसुब्रतनाथ मंदिर से प्रभात फेरी आज

महामहोत्सव समिति के राजीव जैन -अहिंसा ने बताया कि 4 अप्रैल को प्रातः 6:30 बजे नमो होम्स के निकट स्थित जैन फार्म हाउस में निर्माणाधीन श्री मुनिसुब्रतनाथ मंदिर से प्रभातफेरी निकाली जाएगी। संचालन नवीन बाबू जैन ने एवं आभार ऋषभ जैन महामंत्री दीनदयाल नगर मंदिर ने व्यक्त किया।

छात्राओं की कैरम प्रतियोगिता में रिंकल यादव विजेता व अनु यादव उपविजेता रही

- बुंविवि के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में अंतर संकाय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत शतरंज, कैरम प्रतियोगिता का आयोजन

झांसी जयूसं। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में अंतर संकाय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत शतरंज और कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्र वर्ग में कैरम में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के हेमंत कुमार, नयन नायक, मनोज पाल तथा कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग से अभिषेक यादव ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। इसी तरह शतरंज प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के स्वप्नीत पटेल, अभिषेक यादव बायोटेक इंजीनियरिंग से सुयश तिवारी तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग से आदित्य यादव अपने अपने मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंचे। फाइनल प्रतियोगिता कल 03 अप्रैल को खेली जाएगी। छात्राओं की कैरम प्रतियोगिता में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग की रिंकल यादव विजेता तथा बायोटेक इंजीनियरिंग से अनु यादव उपविजेता रही। इसी प्रकार शतरंज में बायोटेक इंजीनियरिंग की अनु यादव विजेता एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग की हर्षिता सिंह उपविजेता रही।

खेल प्रतियोगिता के उदघाटन अवसर पर निदेशक प्रो डी के भट्ट एवं संकायाध्यक्ष प्रो एम एम सिंह ने छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। खेल प्रतियोगिता के संयोजक डॉ सत्येन्द्र उपाध्याय ने सभी आभार ज्ञापित किया। इस दौरान प्रशांत सोलंकी, महेंद्र प्रताप सिंह, जितेंद्र वर्मा, धीरेन्द्र साहू, हर्ष मिश्रा, ध्रुव राज आदि उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी